राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 21 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–296 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र में अब नई खिचड़ी, एकनाथ शिंदे के मंत्री ही नए मोर्चे की तैयारी में; रैली करके दिखाई ताकत

छगन भुजबल ओबीसी के नाम पर एक नई पार्टी या फिर मोर्चा भी खड़ा कर सकते हैं। 17 नवंबर को जालना में हुई ओबीसी रैली के बाद से इसके कयास लग रहे हैं। कई लोगों ने भुजबल के सीएम बनने तक की मांग की।

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में उथल-पुथल और लगातार नए खेमों का तैयार होना जारी है। मराठा आरक्षण आंदोलन पर अब तक एकनाथ शिंदे सरकार कोई हल नहीं निकाल सकी है। इस बीच ओबीसी जातियों की खेमेबंदी नई टेंशन दे रही है। दिलचस्प बात यह है कि सरकार में ही मंत्री छगन भुजबल इस खेमे का नेतृत्व कर रहे हैं। चर्चा तो यहां तक है कि वह ओबीसी के नाम पर एक नई पार्टी या फिर मोर्चा भी खड़ा कर सकते हैं। 17 नवंबर को जालना में हुई ओबीसी रैली के बाद से इसके कयास लग रहे हैं। जालना की रैली में मौजूद कई वक्ताओं ने छगन भुजबल से ओबीसी मोर्चे की लीडरशिप संभालने को कहा। यही नहीं उन्हें सीएम बनाने तक की मांग की गई। महाराष्ट्र की राजनीति फिलहाल मराठा और ओबीसी खेमों में बंटती दिख रही है। एक तरफ मनोज जारांगे पाटिल के नेतृत्व में मराठा आंदोलन जोर पकड़ रहा है तो वहीं छगन भुजबल और कांग्रेस नेता विजय वडेत्तिवार एक ओबीसी मोर्चा खड़ा करने की कोशिश में हैं। दरअसल दोनों नेता लंबे समय से साइडलाइन चल रहे हैं। ऐसे में इन्हें लगता है कि मराठा आंदोलन के मुकाबले वह ओबीसी जातियों को साथ ला सकते हैं। छगन भुजबल लगातार कहते रहे हैं कि मराठाओं को ओबीसी का दर्जा नहीं दिया जा सकता। यदि ऐसा होता है तो यह ओबीसी समाज के हक कीमत पर होगा। इस मोर्चे को लेकर कयास इसलिए तेज हैं क्योंकि विजय वडेत्तिवार ने यहां तक कह दिया है कि वह इस मसले पर कांग्रेस तक

छोड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि छगन भुजबल ओबीसी समाज का

> दिलचस्प बात यह है कि सरकार में ही मंत्री छगन भुजबल इस खेमे का नेतृत्व कर रहे हैं। चर्चा तो यहां तक है कि वह ओबीसी के नाम पर एक नई पार्टी या फिर मोर्चा भी खड़ा कर सकते हैं। 17 नवंबर को जालना में हुई ओबीसी रैली के बाद से इसके कयास लग रहे हैं।

नेतृत्व करना चाहें तो मैं पार्टी छोड़कर आने को तैयार हूं। इस मोर्चे की रैली में एक पीला झंडा भी फहराया गया। इसी को ओर इशारा करते हुए विजय वडेत्तिवार ने कहा कि यदि हम जहां हैं, वह न्याय नहीं मिलता है तो फिर हम यहां लगे पीले झंडे को सेल्यूट करते हैं और साथ आने की शपथ लेते हैं।

छगन भुजबल साहेब हम आपके साथ हैं के लगे नारे

उन्होंने कहा कि यदि हम साथ आते हैं तो फिर महाराष्ट्र की राजनीतिक तस्वीर ही बदल देंगे। आरक्षण बचाओ यलगार सभा के बैनर तले यह रैली की गई थी। एमएलसी राजेश राठौड़ भी इस दौरान मौजूद थे। उन्होंने कहा कि छगन भुजबल साहेब यह जंग आपने शुरू की थी, लेकिन आज पब्लिक आपके पीछे है। हम भी आपके साथ हैं। इस बात की हमें परवाह नहीं है कि आगे क्या होगा।

अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के करीबी रियाज भाटी पर मुंबई में एफआईआर, गवाह को धमकाने का आरोप

अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के करीबी रियाज भाटी के खिलाफ मुंबई पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। उस पर गवाह को जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के करीबी रियाज भाटी के खिलाफ जबरन वसूली और गवाह को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि रियाज भाटी और उसके करीबी सहयोगी ने उसे धमकी दी कि वह गवाही देने के लिए अदालत में न जाए। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। एएनआई ने मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि छोटा शकील के करीबी रियाज भाटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उस पर जबरन वसूली करने और गवाह को जान से मारने की धमकी दी है। शिकायत में भाटी पर आरोप है कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर गवाह को धमकाया कि वह उसके खिलाफ गवाही न दे। अगर उसने ऐसा किया तो जान से मार दिया जाएगा। खार पुलिस ने आरोपी रियाज भाटी और उसके गुर्गों के खिलाफ आईपीसी की धारा 195 (ए), 506 (2) और 34 के तहत मामला दर्ज किया और आगे की जांच शुरू कर दी है।

दाऊद इब्राहिम से भाटी के लिंक

ऐसा माना जाता है कि रियाज भाटी के डॉन दाऊद इब्राहिम से भी लिंक है। रियाज भाटी को इब्राहिम का कथित सहयोगी माना जाता है। हालांकि 2016 को एक इंटरव्यू में भाटी ने दावा किया था कि उसका दाऊद से कोई लिंक नहीं है। वह खुद को एक बिजनेसमैन बताता है। साल 2021 में एनसीपी नेता नवाब मलिक ने रियाज भाटी के बीजेपी नेताओं से दोस्ती के आरोप लगाए थे।

मोदी ने धामी से दूरभाष पर ली क्षतिग्रस्त टनल में फंसे मजदूरों की जानकारी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार सुबह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर उत्तरकाशी के सिल्क्यारा के पास टनल में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए जारी राहत और बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक बचाव उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य की एजेंसियों के परस्पर समन्वय से श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। फंसे श्रमिकों का मनोबल बनाए रखने की जरूरत है।

श्री धामी ने श्री मोदी को अद्यतन स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य और केंद्रीय एजेंसियां परस्पर समन्वय और तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। टनल में फंसे श्रमिक सुरक्षित हैं और ऑक्सीजन, पौष्टिक भोजन और पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। राहत और बचाव कार्यों के लिए विशेषज्ञों की राय लेकर एजेंसियां

काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया और बचाव कार्यों पर लगातार नजर रखें हुए हैं। मेडिकल की टीम भी वहाँ पर तैनात कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि अब तक प्रधानमंत्री तीन बार मुख्यमंत्री से स्थिति की जानकारी ले चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की टीम भी मौके का निरीक्षण कर चुकी और लगातार स्थिति पर नजर बनाये हुए है और समन्वय का कार्य कर रही है।

गाजियाबाद जिले की बल्ले-बल्ले, मुरादनगर और डासना भी बनेंगे नगर निगम

योगी सरकार ने शुरू की तैयारी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के खोड़ा और लोनी के बाद अब मुरादनगर और डासना नगर पंचायत को भी नगर निगम क्षेत्र में शामिल करने की तैयारी की जा रही है। दो सांसदों ने इन दोनों क्षेत्रों को भी नगर निगम सीमा में शामिल करने की कवायद शुरू कर दी है। इससे यहां का विकास भी तेजी से होगा। साथ ही जल, सीवर और पथ प्रकाश की भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। पिछले दिनों नमो ट्रेन के उद्घाटन से पहले इसका निरीक्षण करने पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा और लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने दोनों क्षेत्रों को नगर निगम में शामिल करने की मांग की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी से इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में जिला प्रशासन तैयारी कर रहा है। दोनों नगर पालिकाओं को नगर निगम में शामिल करने का प्रस्ताव प्रशासन की ओर से तैयार किया जा चुका है। इन दोनों नगर पालिका के साथ कनावनी को भी नगर निगम में शामिल किया जाएगा। इसके लिए नक्शा तैयार किया जा

रहा है। अब खोड़ा और लोनी के साथ इस सीमा विस्तार में नगर पालिका मुरादनगर और नगर पंचायत डासना को भी शामिल करने का प्रस्ताव आया है। राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल ने मुरादनगर क्षेत्र को तो केंद्रीय मंत्री एवं स्थानीय सांसद वीके सिंह ने डासना नगर पंचायत को नगर निगम की सीमा में शामिल करने बात कही है।

नगर निगम गाजियाबाद ग्रेटर रखने की मांग -अब तक नगर निगम में 100 वार्ड हैं। खोड़ा और लोनी नगर पालिका को इसमें शामिल करने के बाद 150 वार्ड तक बनाने की योजना थी। लेकिन यदि मुरादनगर और डासना के क्षेत्र को इसमें शामिल किया गया तो यहां वार्डों की संख्या 200 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। ऐसे नगर निगम का क्षेत्र काफी बड़ा होगा। जिसे नगर निगम गाजियाबाद ग्रेटर का नाम दिया जा सकता है।

मुरादानगर में 25 और डासना में हैं 15 वार्ड-मुरादनगर नगर पालिका में 25 वार्ड हैं। इसके साथ ही डासना नगर पंचायत में 15 वार्ड हैं। विधायक और सांसद के चुनाव के दौरान इन दोनों क्षेत्रों की काफी अहमियत रहती है। शहर से सटे इन दोनों क्षेत्र के लोग गाजियाबाद शहर की तरह ही अपने क्षेत्र में विकास चाहते हैं। मुरादनगर और डासना में चेयरमैन चुने जाते हैं।

बिहार में सूर्योपासना का महापर्व कार्तिक छठ संपन्न

पटना। बिहार में आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही सूर्योपासना का महापर्व कार्तिक छठ समाप्त हो गया।

राजधानी पटना में आज गंगा नदी के अलावा राज्य के अन्य हिस्सों में लाखों महिला और पुरुष व्रतधारियों ने उगते हुए सूर्य को नदियों और तालाबों में खड़े होकर अर्घ्य अर्पित किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यहां एक अणे मार्ग स्थित अपने आवास पर लोक आस्था का महापर्व छठ के अंतिम दिन श्रद्धा के साथ उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया तथा ईश्वर से राज्य एवं देशवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिये प्रार्थना की।

बिहार के औरंगाबाद जिले के ऐतिहासिक तथा धार्मिक स्थल देव के पवित्र सूर्य कुंड में आज लाखो की संख्या में व्रतधारियों ने उदयाचल सूर्य को अर्ध्य अर्पित किया।लोक मान्यता है कि देव छठ व्रत करने तथा त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर में पूजा अर्चना करने से श्रद्धालुओं की मनोवांछित कामनाएं पूरी होती हैं और इस मौके पर यहां भगवान भास्कर की साक्षात उपस्थिति की रोमांचक अनुभूति होती है।

दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं का 36 घंटे का निराहार व्रत समाप्त हुआ और उसके बाद हीं व्रतधारियों ने अन्न ग्रहण किया। चार दिवसीय इस महापर्व के तीसरे दिन कल व्रतधारियों ने नदियों और तालाबों में अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पित किया था ।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में 60 हजार से अधिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर बैठे डाले वोट

जयपुर। राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग की होमवोटिंग की पहल के प्रति बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं में उत्साह है और इसके प्रथम चरण में प्रदेश भर में इन श्रेणियों के 60 हजार से अधिक मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार उपयोग किया।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि पहले चरण में 60 हजार 424 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान किया। श्री गुप्ता ने बताया कि होम वोटिंग के दौरान अब तक 1220 मतदाता घर पर नहीं मिले जबकि इस सुविधा के लिए पात्र 884 मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 96.63 प्रतिशत बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग की है।इनमें 96.48 प्रतिशत बुजुर्ग एवं

97.56 प्रतिशत दिव्यांग शामिल है।

विधानसभा आम चुनाव के तहत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है। प्रदेश में होम वोटिंग के पहले पांच दिन में 47196 बुजुर्ग तथा 20,161 दिव्यांग एवं रविवार को 1485 बुजुर्ग एवं 286 दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ लिया।

उन्होंने बताया कि पात्र 62 हजार 927 मतदाताओं ने विकल्प के तौर पर होम वोटिंग सुविधा के लिए आवेदन किया है। विशेष मतदान दल ऐसे मतदाताओं के घर जाकर पूरी गोपनीयता के साथ डाक मतपत्र के माध्यम से उनका मतदान करवा रहे हैं। पोस्टल बैलेट के माध्यम से पहले चरण में 19 नवम्बर तक घर पर ही मतदान करवाया गया। ऐसे मतदाता जो होम वोटिंग के पहले चरण के दौरान घर पर अनुपस्थित थे, उनके लिए 20 और 21 नवम्बर को विशेष मतदान दल दूसरी बार उनके घर जाकर मतदान करायेंगे।

उन्होंने बताया कि अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाता भी 21 नवम्बर तक मतदान कर सकेंगे।

सिलक्यारा टनल में फंसी जिंदगियों के हिस्से अब भी इंतजार, ऑगर मशीन से लगेंगे कितने दिन; 5 मोर्चों पर चल रहा काम

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में सुरंग हादसे के बाद से अंदर फंसे 41 मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए पांच विकल्पों पर युद्धस्तर काम हो रहा है। इनमें सबसे ज्यादा उम्मीद सुरंग में काम कर रही ऑगर मशीन से ही है। ऑगर मशीन टनल के भीतर फंसे मजदूरों के सबसे करीब है। ऑगर मशीन, श्रमिकों से 40 मीटर दूर है, जबकि शेष विकल्पों पर काम कर रही टीमों को मजदूरों तक पहुंचने के लिए 86 से 200 मीटर तक नई टनल बनानी होगी। रेस्क्यू ऑपरेशन की समीक्षा करने आए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी ऑगर मशीन के विकल्प को ही ज्यादा आशा जगाने वाला माना। गडकरी ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए तय सभी पांच विकल्पों पर काम जारी है। इनमें ऑगर मशीन से फंसे मजदूरों तक निसंदेह दो से ढाई दिन में पहुंचा जा सकता है। ऑगर मशीन के रुकने की वजहों का समाधान करते हुए, उसे जल्द से जल्द शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। शेष विकल्पों में वक्त लग सकता है। गडकरी ने बताया कि 17 नवंबर को ऑगर मशीन रुकने के पीछे वजह सुरंग में मलबा गिरना नहीं बल्कि मलबे में फंसी कोई ऐसी वस्तु है, जिसे मशीन काट नहीं पा रही है। यह कोई चट्टान या मशीन हो सकती है, जिसे भेद कर ऑगर मशीन आगे नहीं बढ़ पा रही है। इससे काम प्रभावित हो रहा है। ज्यादा ताकत लगाने पर मशीन में काफी कंपन हो रहा है। गडकरी ने बताया कि विशेषज्ञ इसका समाधान निकाल रहे हैं। मशीन के ऊपर एक मजबूत शेड तैयार किया जा रहा है। जिससे सुरंग में काम कर रहे लोग सुरक्षित रहें।

ऑगर मशीन से दो से ढाई दिन में बन सकती है टनल

ऑगर मशीन के गुरुवार को बंद होने के बाद मजदूरों को बाहर निकालने के लिए पांच विकल्पों पर काम शुरू किया गया है, लेकिन सभी कामना कर रहे हैं कि ऑगर मशीन जल्द से जल्द काम शुरू कर दे। सिलक्यारा की ओर से ऑगर मशीन द्वारा पाइप टनल के लिए केवल 40 मीटर ही ड्रिलिंग की जरूरत है। यहां 60 मीटर तक मलबा होने की बात कही जा रही है। ऑगर मशीन से 22 मीटर तक पाइप बिछाया जा चुका है। 40 मीटर और पाइप ड्रिल होने से मजदूरों तक पहुंचा जा सकता है।

सिलक्यारा सुरंग के ऊपर आज से ड्रिलिंग की उम्मीद

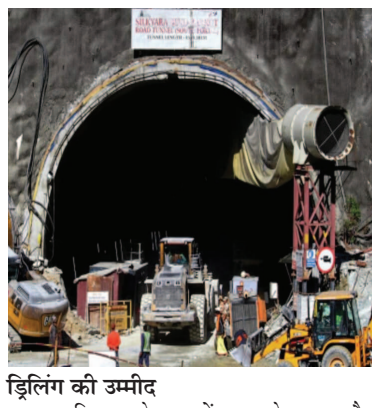

नए विकल्प के रूप में टनल के बाहर और ऊपर एक्सकेप टनल बनाने के लिए ड्रिलिंग सोमवार से शुरू होने की उम्मीद है। राज्य के आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव डॉ.रंजीत कुमार सिन्हा मीडिया से बातचीत में कहा कि सुरंग के अंदर ऑगर मशीन से 900 एमएम का पाइप 22 मीटर तक डाला जा चुका है। इसको अब आगे बढ़ाने का काम फिर से शुरू करने में लगे हैं। पहाड़ी से वर्टिकल ड्रिलिंग की जाएगी, जिससे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया जाएगा। यदि ये छेद बड़ा हुआ तो उन्हें बाहर निकाला जाएगा, अन्यथा लाइफ सपोर्ट का काम करेगा। सिन्हा ने कहा कि यदि ऑगर मशीन का प्रयास सफल रहा तो 40 घंटों के अंदर मजदूरों तक पहुंचा जा सकेगा।

इन पांच विकल्पों पर चल रहा काम

1. पुराने विकल्प के तहत सिलक्यारा की ओर से मलबे में ड्रिलिंग कर रही ऑगर मशीन रुकी हुई है। इससे 40 मीटर ड्रिलिंग ही बाकी है। 22 मीटर पाइप टनल बन चुकी है। दोबारा ड्रिलिंग का इंतजार है।

2. एसजेवीएनएल टनल के ऊपर से एस्केप टनल बनाएगा। इसके लिए सड़क बन गई है। इसके लिए 86 मीटर ड्रिलिंग करनी होगी। इसके लिए गुजरात और उड़ीसा से मशीनें मंगाई गई हैं।

3. ओएनजीसी टनल के ऊपर दूसरी जगह से पहाड़ी पर ड्रिलिंग कर भीतर फंसे लोगों तक रास्ता तैयार करेगा। यहां से दूरी 325 मिनट होगी।

4. टनल के दूसरे छोर बड़कोट की तरफ से 450 मीटर सुरंग बननी बाकी है। इस तरफ से टीएचडीसी को ड्रिलिंग की जिम्मेदारी दी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

युद्ध और विज्ञान

इजरायल, गाजा और वेस्ट बैंक में लोग जब खतरे के साये में जी रहे हैं, तब वहां पढ़ाई-लिखाई से लेकर वैज्ञानिक शोध तक, सब कुछ बाधित हो गया है। संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ के अनुसार, 15 नवंबर तक गाजा पर इजरायल की बमबारी और उसके बाद के जमीनी लड़ाई में मरने वालों की संख्या 11,000 से अधिक हो गई है, जिसमें 4,500 से अधिक बच्चे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि 16 लाख से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। सबसे दुखद और अमानवीय बात यह है कि गाजा के 36 में से 22 अस्पतालों में सेवाएं बंद हो गई हैं। बचे हुए अस्पताल, उनके डॉक्टर और अन्य चिकित्साकर्मी भी मौत के साये में जीने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे के साथ ही तमाम तरह के शोधकर्ता और वैज्ञानिक काम छोड़कर बैठ गए हैं। वेस्ट बैंक ही नहीं, इजरायल में भी प्रयोगशालाएं खाली पड़ी हैं और अधिकांश शैक्षणिक कार्य थम गए हैं या धीमे हो गए हैं। कई वैज्ञानिकों को सेना में सेवा के लिए बुला लिया गया है। नेचर पत्रिका के अनुसार, गाजा के छह मुख्य विश्वविद्यालयों में से पांच की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी में छात्रों, संकाय सदस्यों और उनके रिश्तेदारों सहित 84 लोगों की मौत हो चुकी है। पांच अन्य का अपहरण कर लिया गया और नौ घायल हुए हैं। उधर, यूक्रेन में युद्ध का असर है, तो वहां से इजरायल आए भौतिक विज्ञानी सर्गेई ग्रेडेस्कुल और उनकी पत्नी विक्टोरिया भी मारे गए लोगों में शामिल हैं। एक महान भौतिक विज्ञानी होने के अलावा सर्गेई एक संगीतकार, कहानीकार और फिजिक्स के इतिहासकार भी थे। इनके निधन से वैज्ञानिक जगत में दुख से ज्यादा चिंता है। एक वैज्ञानिक जब अपने शोध के बीच में ही मार दिया जाता है, तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण कुछ हो नहीं सकता। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया में ज्यादातर आधुनिक चीजों के आविष्कार में यहूदियों का हाथ रहा है और यहूदियों को उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा के लिए पहचाना जाता है। ऐसे में, अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों व प्रयोगशालाओं का युद्ध या हमले की चपेट में आना रुला देता है। बड़ी संख्या में होनहार वैज्ञानिकों का जीवन थम गया है या हमेशा के लिए प्रभावित हो गया है। बार-इलान विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एरी जबान का कहना है कि परिसर खाली हो चुका है, क्योंकि शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत स्थगित कर दी गई है और कई पीएचडी छात्रों, शोधकर्ताओं को सेना में शामिल कर लिया गया है। वैज्ञानिक समाज बुरी तरह से हिल चुका है, इसका एहसास इजरायल सरकार को भी है, तो अनेक जगह विद्वानों की भावनात्मक मदद के लिए हेल्पलाइन की शुरुआत की गई है। यह सुखद बात है कि इजरायली विश्वविद्यालय भी अरब छात्रों को लेकर संवेदनशील हैं। ज्यादातर विश्वविद्यालय कोशिश में लगे हैं कि कम से कम शिक्षा बिरादरी के बीच नफरत न फैले। हालांकि, जो इजरायल अपने यहां छात्रों को लेकर चिंतित है, उसे गाजा के छात्रों की ज्यादा परवाह नहीं है। गाजा में तमाम परिसर बंद पड़े हैं, क्योंकि ये सभी उन इलाकों में स्थित हैं, जिसे खाली करने का आदेश इजरायल ने सुनाया है। गाजा की चिंताओं पर इजरायल अभी कोई चर्चा नहीं करना चाहता। हालांकि, इजरायल का सामान्य वैज्ञानिक विकास भी गाजा में शांति पर ही निर्भर करता है। क्या ऐसे युद्ध से हो रहे नुकसान का इजरायल जायजा लेगा और जल्द से जल्द युद्ध खत्म करेगा?

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

स्थानीय नीतियों में बदलाव रोकेगा पर्यावरणीय आपदाएं

टिकेंद्र सिंह पंवार

संदीप चाचड़ा हाल ही में मनाए गए 'अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम घटौती दिवस-2023' का मुख्य विषय था- प्रतिरोधक भविष्य बनाने में असमानता से लड़ाई। आपदा जोखिम घटाने को लेकर बनी रूपरेखा मौसमीय बदलावों पर पेरिस संधि की अनुपूरक है। सतत्तापूर्ण विकास ध्येय की पूर्ति में यह दोनों रूपरेखाएं आपस में जुड़ी हैं। इस साल अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर आपदा और असमानता के बीच संबंध की पड़ताल की गई। पर्यावरण बदलावों पर अंतर-सरकारी मंच ने पर्यावरणीय आपदा के लिहाज से सबसे जोखिमज़दा माने जाने वाले भारतीय उपमहाद्वीप के दो मुख्य भागों पर अधिक ध्यान दिया यानी भारतीय हिमालयी पर्वतमाला और तटीय भारत। मानसून के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम में हुई भारी तबाही अंतर-सरकारी मंच द्वारा दी गई चेतावनियों का संकेत भर है। ईमानदारी से देखें तो भावी आपदाओं के लिए हमारी तैयारी अभी भी नहीं है। सड़क-चौड़ाकरण और चार-लेन राजमार्ग बनाने की अंधी दौड़, खासकर भारतीय हिमालयी क्षेत्र में, और इसके लिए पहाड़ियों की एकदम खड़ी कटाई करने ने दिखा दिया है कि यह राह कितनी कष्टकारी है। शिमला में भवन निर्माण के लिए मनमर्जी से हरित-पट्टी नियमों में ढील देना आपदा को न्योते का एक अन्य नुस्खा है। हरित पट्टी की निशानदेही प्रक्रिया अपने आप में वक्री है। कुछ ऐसे इलाके हैं, जिन्हें अकारण हरित पट्टी में डाला हुआ है तो कहीं पर जंगल का बड़ा हिस्सा मुक्त कर रखा है। शिमला में भूमि-उपयोग की परिभाषा की आमूल-चूल समीक्षा होनी चाहिए, जिसका आधार विशुद्ध रूप से भू-संरचना पर हो और इसके मुताबिक अलग-अलग मंडल बनाए जाएं। वैसे भी शिमला विकास योजना मामला पहले से सर्वोच्च न्यायलय में लंबित है और हरित पट्टी में निर्माण की इजाजत देते जाना न्यायशास्त्र के मूल तत्व के विरुद्ध है। इतने महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय देने से पहले हिमालयी क्षेत्र का मंडल के आधार पर बृहद वर्गीकरण किए जाने की जरूरत है। यह तरीका नाजुकता और सकल आपदा जोखिम को कम करने में सहायक होगा। विगत में, आपदा जोखिम कम करने के नाम पर मुख्य प्रयास संपत्ति और मानव जीवन बचाव कार्यों पर केंद्रित रहता था। पर्यावरणीय क्षति से बनी आपदाओं का प्रभाव घटाने को राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय निकाय स्तर पर आपसी तालमेल बनाकर प्रशासन की अनुकूलक क्षमता में बढ़ोतरी सुनिश्चित की जा सकती है। मनुष्य की हरकतों से पर्यावरणीय बदलाव आगे भी बनेंगे और हम सबको प्रभावित करेंगे। इस किस्म की स्थिति से बचाव का मुख्य उपाय है क्रियाकलापों में बदलाव लाना। हमें खुद से पूछना चाहिए 'क्या हमारा अपना, हमारे संस्थानों, सरकारी निकायों, निजी पूंजी निवेशकों, पर्यावरण को बिगाड़ने वाले आधारभूत ढांचे में बदलाव लाने के प्रयास पर्याप्त हैं और क्या यह पर्यावरण-जनित आपदा निरोधक रणनीति के अनुरूप हैं?' दुर्भाग्यवश उत्तर है, नहीं। आपदा निरोधक तंत्र समूह की रिपोर्ट बताती है कि पर्यावरणजनित आपदाओं से वैश्विक नुकसान औसतन 850 बिलियन डॉलर हुआ है, जो कि 2021-22 में सकल वैश्विक घरेलू उत्पाद का लगभग 14 फीसदी है। रोचक यह कि कुल संपत्ति का लगभग 67 प्रतिशत हिस्सा विकसित मुल्कों में केंद्रित है और मध्य आय वाले देशों में यह 25 फीसदी तो कम आय राष्ट्रों में महज 7 प्रतिशत है। आपदाजनित नुकसान सबसे ज्यादा विकासशील और न्यून-विकसित मुल्कों को झेलना पड़ रहा है। क्यों? जाहिर है, पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध के देश बेहतर सुसज्जित हैं और उन्होंने पर्यावरण सुधार उपायों में भारी निवेश किया है। विकासशील दुनिया की सापेक्ष जोखिम दर बहुत अधिक है, विकसित राष्ट्रों में वार्षिक हानि का औसत 0.1 प्रतिशत है तो विकासशील जगत में 0.4 फीसदी। राष्ट्रों के लिए सतत विकास ध्येय पूर्ति और आपदा प्रतिरोधी रणनीति बनाने हेतु निवेश के लिए 9 क्षेत्रों की शिनाख्त की गई है। इसके लिए हर साल विकसित देशों से 9.3 ट्रिलियन डॉलर और विकासशील देशों से 2.9 ट्रिलियन डॉलर की दरकार है। लेकिन यह धन आएगा कहां से? इसका इंतजाम करने के लिए वित्तीय तंत्र बनाने पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्विचार होना चाहिए। तंत्र विकसित करते वक्त एक अन्य महत्वपूर्ण विचारणीय बिंदु है, सबसे अधिक आपदा-जोखिम क्षेत्र की शिनाख्त करना।

अनुमानों के अनुसार आधारभूत ढांचे को होने वाले सकल वार्षिक नुकसान में औसतन 30 फीसदी भूचाल जनित और 70 प्रतिशत हानि पर्यावरणीय संबंधित आपादाओं से है। इसलिए, पर्यावरण संबंधित आपदाएं स्थिति को आगे और बदतर कर देंगी। अनुमानों के मुताबिक लगभग 80 फीसदी जोखिम बिजली, परिवहन और टेलीकॉम क्षेत्र को होगा, जिसकी परिसंपत्तियां बनाने में सकल खर्च का 15-30 प्रतिशत खपता है और लगभग 70-85 फीसदी परिचालन, मरम्मत और प्रबंधन में। भावी आधारभूत ढांचा पर्यावरणीय क्षति रोधी और अनुकूलन युक्त होना चाहिए। रूपरेखा और पर्यावरणीय नुकसान से पैदा हुई मुसीबतें रोकने वाली योजनाओं का प्रारूप तय करते वक्त पुनः मूल्यांकन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। पहाड़ों में सीमेंट, सरिया-युक्त कंक्रीट या स्टील आधारित भवनों का अबाध निर्माण टिकाऊ निर्माण सामग्री के सोपान पर खरा नहीं उतरता। आपदा की संभावना घटाने में पहला कदम है जोखिम आकलन। इसमें लोगों की सक्रिय भागीदारी और क्षमता-निर्माण प्रयास समांतर होने चाहिए। यह क्षमताएं प्रति-क्रियावादी न होकर पूर्व-सक्रिय रहे। सुरक्षित, भरोसेमंद और पर्यावरणीय नुकसान रोधी आधारभूत ढांचे पर ध्यान केंद्रित करके बस्तियां क्यों नहीं बनाई जा सकती? लेकिन यह करने के लिए मौजूदा प्रशासनिक तंत्र को खुद को बदलना पड़ेगा। खतरे वाले मुद्दों पर पूर्व-चेतावनी देने में अग्रणी लोगों-समुदायों-सिविल सोसायटी को और सशक्त बनाना होगा। उन्हें नव-प्रशासनिक तंत्र का हिस्सा बनाना चाहिए। ग्रामीण एवं शहरी प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर संविधान में किए गए 73वें और 74वें संशोधन को अक्षरशः लागू किया जाए। विकास की रूपरेखा में मुख्य कदम यह हो—बाढ़ वहनीय मैदानी इलाके में किसी प्रकार का आधारभूत ढांचा निर्माण वर्जित, जल-प्रवाहों की नक्शादेही, नदी के एकदम साथ लगते क्षेत्र, खड्डों, तटीय जंगली इलाके और उप-नदियों के किनारों पर निर्माण कार्य पर प्रतिबंध, भूस्खलन वाले क्षेत्र की पहचान करके वहां गतिविधियों पर रोक, पूर्व-चेतावनी तंत्र को सुदृढ़ बनाना, आपदा में लोगों को शीघ्रातिशीघ्र निकालना, सुनिश्चित करना। पर्यावरण-जनित आपदाएं आगे भी आती रहेंगी। चुनना हमें है- खुद में बदलाव लाकर अपना भविष्य सुरक्षित करें या ढीठ बने रहकर फनाह हो जाएं। टिकेंद्र सिंह पंवार शिमला के पूर्व उप महापौर और संदीप चाचड़ा एक्शन एड इंडिया के कार्यकारी निदेशक हैं।

कला संसार में चमकते सितारे रहे डॉ. बीएन गोस्वामी

इरा पांडे

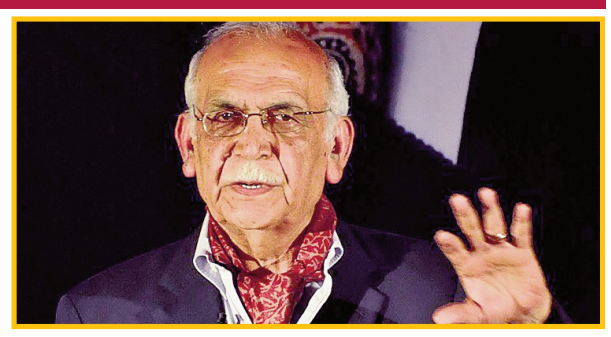

एक कार्यक्रम में नेहरू जी को दर्शकों से नामचीन शास्त्रीय गायिका एमएस सुब्बालक्ष्मी का परिचय करवाने को कहा गया, तो इस पर उनकी टिप्पणी मशहूर है 'स्वर-साम्राज्ञी का परिचय करवाने लायक मेरी हैसियत कहां, मैं तो मात्र एक प्रधानमंत्री हूं।' आज मैं एक मूर्धन्य विद्वान, एक अध्यापक और ऐसा इंसान, जिसने कला की दुनिया में ऊंचा मुकाम हासिल किया और जो जीवनपर्यंत एक प्रतिबद्ध शिक्षक, परामर्शदाता और शोध-शास्त्री रहे, उनके लिए श्रद्धांजलि लिखने बैठी हूं। ऐसा कोई नहीं है, जिसकी तुलना मैं डॉ. गोस्वामी से कर सकूं। द ट्रिब्यून के पाठकों को उनका नियमित 'आर्ट एंड सोल' नामक स्तंभ याद होगा, जो हर रविवार को उनके तमाम अध्ययन, यात्राओं और निजी व्यस्तताओं के बावजूद प्रकाशित होता रहा। इसलिए कोई हैरानी नहीं कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के चंद घंटों बाद, उन्होंने पिछले रविवार को अपना 707वां लेख लिखा जो कि कसौली कला मेले के पूर्वावलोकन से संबंधित था। पिछले दो साल उनके लिए खास तौर से सुखद नहीं रहे। उनकी जीवनसंगिनी करुणा जी कोविड बीमारी से जूझने के बाद चल बसीं, कुछ महीने पहले उनका बेटा अप्पू भी कैंसर ग्रस्त होकर गुजर गया था। मैंने उन्हें अपनी संवेदनाएं लिख भेजीं और उत्तर की अपेक्षा नहीं की थी। आखिरकार, कौन मां-बाप होंगे जो पुत्र-शोक की वेदना से उबरकर जवाब दे पाएं। लेकिन फिर भी उन्होंने मुझे निजी पत्र लिखा, जो उतना ही स्नेहमयी और दिल को छूने वाले अहसास से परिपूर्ण था, जैसा उनसे मिलते वक्त सदा महसूस हुआ। इसलिए मेरे जैसी एक फ़ानी महिला इस असाधारण मनुष्य के बारे में कहने लायक कहां? उनसे पहली बार कब मिली, यह याद करने की कोशिश कर रही हूं और मेरी याददाश्त इसमें खेल कर रही है। क्या यह मुलाकात तब हुई थी जब मैं बगल के अंग्रेजी विभाग में एक शोधकर्ता थी या किसी संगीत प्रस्तुति कार्यक्रम में? क्या उनके किसी संबोधन के दौरान या जब वे किसी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे? कुछ पक्का नहीं, लेकिन इतना साफ याद है कि वे एक जादुई वक्ता थे। इसके बाद, जब कभी मुझे पता चलता कि उनका कहीं संबोधन होने वाला है तो सब कुछ छोड़-छाड़ कर सुनने के लिए पहुंच जाती और वापसी उनके शब्दों में सराबोर होकर, और अधिक जानकारी से परिपूर्ण, और अधिक अभिभूत होकर होती। किसी सवाल का जवाब देते वक्त उनका ठिठक कर आध्यात्मिक मनन जैसा अंदाज़ होना या स्लाइड दिखाते वक्त उनके समझाने का वह तरीका, जब वे हमारा ध्यान उन अवयवों की ओर दिलाते जिन पर अन्यथा हम शायद ही अपने तौर पर गौर कर पाते, यह उनका विशेष उपहार होता। वे बारीकियों को समझने वाली आंख के धनी थे और छवियों, रंगों एवं कुछ पंक्तियों को पिरोने का उनका हुनर किसी कलाकृति को जीवंत कर देता और उसके सौंदर्य-आयामों को समझने में एक सबक। कुछ साल पहले, डॉ . गोस्वामी जयपुर में लिट-फेस्ट में भाग लेने आए थे, जहां मुझे भी आमंत्रित किया गया था। उन्हें दर्शकों में बैठे देख मैं खुद को कुछ अनाड़ी वक्ता महसूस कर रही थी, क्योंकि इतनी बड़ी विभूति की उपस्थिति में मुंह से सही ढंग से शब्द निकलते भी कैसे। अगले दिन एक सत्र में उनका संबोधन था, जिसकी अध्यक्षता विलियम डैलरीम्पल कर रहे थे, मैंने महसूस किया कि हम में बहुत से एक ही किश्ती के सवार थे। इसके बाद तो डैलरीम्पल डॉ. गोस्वामी के सबसे बड़े प्रशंसक बन गए और हर साल लिट-फेस्ट में बीएनजी (वे इस नाम से लोकप्रिय थे) से उनका संवाद सम्मेलन का मुख्य आकर्षण होता। यह डॉ. गोस्वामी की देन है कि हमें कार्ल खंडालावाला, सरयू दोषी, एर्बरहार्ड फ्लैचर और अन्य नामचीन कला-आलोचकों और कला-इतिहासकारों के बारे में जानने को मिला, इतने सारे कि उन सब का नाम यहां गिनाना संभव नहीं है। सत्तर और अस्सी के दशक में, पंजाब यूनिवर्सिटी में हमारे जैसे बहुत से ऐसे थे, जिन्होंने डॉ. गोस्वामी की कृपा से कला की बारीकियां जानने का तरीका सीखना शुरू किया। पंजाब यूनिवर्सिटी में संग्रहालय बनाने में उनके प्रयास अवश्य ही उनकी सबसे महत्वपूर्ण पहलकदमियों में गिने जाएंगे और इतना ही अहम है, कसौली में दिवंगत विवान सुंदरम की आईवी कॉटेज में 'कसौली आर्ट सेंटर' की स्थापना में उनका योगदान। उन्होंने वस्त्र-उद्योगपति साराभाई को 'कैलिको म्यूज़ियम ऑफ टेक्साइल' बनाने में मदद की और अभिभूत करने वाली यह जगह देखते ही बनती है, वहां रखी कलाकृतियों के संग्रह पर लिखी उनकी पुस्तक ज्ञान का भंडार है। तथापि जिस काम के लिए उन्हें सदा याद किया जाएगा, वह है, पर्वतीय सूबों की पहाड़ी कलाकृतियों पर किया उनका लासानी शोधकार्य। लगन और मेहनत से तब तक अनाम रहे कलाकारों की वंशावली को खोज निकालना उनका सबसे बड़ा अन्वेषण था। यह उनके गहन अनुसंधान का नतीजा था कि पांडाओं का पीढ़ी-दर-पीढ़ी वंश-ब्योरा, जिसे वह बहुत गुप्त रखते हैं, इसको किसी प्रकार प्राप्त कर उन्होंने गुलेर के कलाकार जोड़ी के नैन-सुख (भतीजा) और मनकू (चाचा) को ढूंढ़ निकाला। इस विषय पर लिखी दो पुस्तक (खंड पढ़ना) पहाड़ी सूक्ष्म कलाकृतियों में प्रयुक्त रंगों, विषयवस्तु और बारीकियों को समझने की रसयात्रा से कम नहीं है। उनका किया काम ऐसे कलाकारों की तूलिका के रंगों में रचकर सदा जिंदा रहेगा। बीएनजी जैसा मुझे अब कोई न मिल पाएगा, लेकिन इतना मैं पूर्ण विश्वास से कह सकती हूं कि अपने जीवनकाल में मुझे एक ओजस्वी विभूति से मिलने का सौभाग्य मिला। अलविदा बीएनजी, जब तक आपकी पुस्तकें और कही बातें हमारे साथ हैं, आप तब तक सदा जीवित रहेंगे।

विचार मंथन

युद्ध से नहीं बातचीत से निकलेगा हल

लेखक - डॉ. हिदायत अहमद खान

दुनियां के शक्ति संपन्न देश पिछले दो दशक से एक ही मोर्चे पर काम करते दिख रहे हैं। इसके तहत व्यापारिक क्षेत्र को बढ़ाने के साथ ही आधुनिक हथियारों के दम पर ज्यादा से ज्यादा देशों को अपने पक्ष में करना इनका शगल बन चुका है। इसके लिए प्रत्येक मंच पर ये शक्तियां एक-दूसरे को नीचा दिखाने और खुद को बेहतर बताने से गुरेज नहीं करती हैं। इनके ऐसा करने से तब तक हर्ज नहीं जब तक कि हथियारों का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। जब ये ताकतें हथियार उठा लेती हैं और जैसे ही जान-माल को नुकसान होने वाले कदम उठाए जाने लगते हैं वैसे ही इंसानीयत चीख उठती है। इसका विरोध भी होता है। संयुक्त राष्ट्रसंघ उन्हें ऐसा नहीं करने के लिए चेतावनी भी देता है। यह भी हकीकत है कि सुनता कोई नहीं और ताकत के जोर पर सभी परिस्थितियों को अनदेखा कर ये ताकतें मनमर्जी से फैसले ले कार्रवाई करती नजर आती हैं। इनके इरादों में जो पानी फेरता दिखता है या ऐसा करने की कोशिश करता है उसे सबक सिखाने के लिए ये ताकतें सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटती हैं। यही वजह है कि आज दुनियां तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी नजर आ रही है। पहले अफगानिस्तान में तालिबान के नाम पर अमेरिका ने जो किया वह सभी के सामने है। इसके बाद सीरिया को केंद्र में रखकर दुनियां की ताकतों ने अपने अत्याधुनिक हथियारों के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं यूक्रेन में रूस की सेनाओं ने भी अपनी ताकत का मुजाहिरा करवाया। अब हमास के इजराइल पर किये गये अनैतिक हमले को लेकर गाजा और फिलस्तीन में जो हो रहा है वह भी कहीं से सही नहीं ठहराया जा सकता है। हमास ने जो किया उसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता है, लेकिन उसके बाद इजराइल जो आमजन के साथ कर रहा है वह भी कहीं से सही नहीं है। दरअसल यहां भी खून का बदला खून की तर्ज पर हमास को जड़ से खत्म करने के नाम पर गाजा और फिलस्तीन के आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। खबर तो यहां तक आती है कि अस्पतालों और कैंप में भी हमले किये गये और उसे हमास का ठिकाना करार दिया गया। बात यहीं खत्म हो जाती तब भी कोई बात न थी, लेकिन हमास को सबक सिखाने के बहाने जिस तरह से दुनियां की ताकतें दो धड़ों में बंटकर गाजा को युद्ध का क्षेत्र बनाने में लगी हैं, वह भी सही नहीं है। इससे विश्वयुद्ध भड़कने का अंदेशा बढ़ता ही जा रहा है। सबसे दुःखद ओर चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे मामले में बातचीत का सहारा कतई नहीं लिया गया। न ही यह समझने और समझाने की कोशिश की गई कि आखिर इस समस्या की जड़ में क्या है। क्योंकि किसी भी समस्या का हल शांति और सद्भाव के साथ बातचीत के जरिये ही निकाला जा सकता है। इसके अतिरिक्त समाधान का और कोई दूसरा रास्ता हो ही नहीं सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अफगानिस्तान हमारे सामने मौजूद है। हमने देखा है कि किस प्रकार से तालिबान को आतंकवादी घोषित करने वाली महाशक्तियों ने उसी से बातचीत कर, उसे ही अफगानिस्तान की कमान सौंप, किस तरह पीठ दिखाकर वापस अपने देश भागे थे। इसका अर्थ यही हुआ कि इससे पहले शुरु में जो रुस अफगानिस्तान में करना चाह रहा था वह उसकी अपनी सोच थी और उसे विफल करने में अमेरिका का सबसे बड़ा हाथ रहा। अब ऐसा ही एक अनचाहा और अनजाना खेल गाजा में देखने को मिल रहा है। इजराइल चूंकि अत्याधुनिक हथियारों से परिपूर्ण है, इसलिए वह हमास जैसे अनेक संगठनों व समूहों को बिना रुकावट जवाब देने की स्थिति में है। ऐसे शक्ति संपन्न देशों को तो शांति के साथ बातचीत का रास्ता अपनाना ही चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि कोई अन्य संगठन या समूह आंतकवाद की राह में आगे न बढ़ने पाए। इससे बेहतर उपाय किये जा सकते हैं, लेकिन अहिंसा की डगर इन्हें कठिन प्रतीत हो रही है, जबकि मानवता की चित्कार सुनना इन्हें भा रहा है। इस समय हिंसा को सिरे से खारिज कर दुनिया के तमाम देशों को एकजुट होकर शांति की राह में आगे बढ़ना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को दुनियां रहने लायक मिल सके।

यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध अपने पीछे दर्दनाक मंजर के साथ ही आधा-अधूरा मानव संसार छोड़कर जाता है। युद्ध में हारने वाला तो सब कुछ खोता ही खोता है, लेकिन जीतने वाला भी मन, वचन और कर्म से कभी पूर्ण नहीं हो पाता है। फिलहाल महाशक्तियों के झमेले में पड़े गाजा और फिलस्तीन की नजरें अब भारत पर टिक गई हैं।

सोने की वायदा कीमतों में तेजी, चांदी के वायदा भाव में गिरावट

नई दिल्ली । सोने की वायदा कीमतों की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। लेकिन बाद में चांदी के भाव में भी सुधार दिखाई दिया। सोने के वायदा भाव 60,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। चांदी के वायदा भाव 73,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा कीमतों की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की सोमवार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट सोमवार को 6 रुपये की तेजी के साथ 60,719 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सोमवार को सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट सोमवार को 143 रुपये की गिरावट के साथ 72,997 रुपये के भाव पर खुला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। कॉमैक्स पर सोना 1980.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 1984.70 डॉलर था। कॉमैक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.78 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 23.85 डॉलर था।

ओपनएआई से बर्खास्त हुए सैम आल्टमैन ने किया माइक्रोसॉफ्ट जॉइन, सत्या नडेला का पोस्ट वायरल

सैन फ्रांसिस्को। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने सोमवार को घोषणा की कि कंपनी अपने एडवांस एआई रिसर्च को आगे बढ़ाने के लिए ओपनएआई के पूर्व सीईओ सैम अल्टमैन और सह-संस्थापक ग्रेग ब्रॉकमैन को काम पर रख रही है। ऑल्टमैन, जिन्हें पिछले हफ्ते ओपनएआई ने सीईओ के पद से बर्खास्त किया था, कंपनी में वापसी को लेकर चर्चा में थे, लेकिन चैटजीपीटी डेवलपर ने पूर्व ट्विच सीईओ एम्मेट शीयर को अंतरिम सीईओ के रूप में नियुक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में नडेला ने कहा, हम इस खबर को शेयर करते हुए उत्साहित हैं कि सैम ऑल्टमैन और ग्रेग ब्रॉकमैन अपने साथियों के साथ एक नई एडवांस एआई रिसर्च टीम का नेतृत्व करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, हम उनकी सफलता के लिए जरूरी संसाधन प्रदान करने के लिए तेजी से आगे बढ़ने के लिए तत्पर हैं। नडेला ने कहा, हम एम्मेट शियर और ओपनएआई की नई नेतृत्व टीम को जानने और उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने ओपनएआई में 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। इस साल जनवरी में, इसने एआई सफलताओं में तेजी लाने के लिए मल्टी ईयर, अरबों डॉलर के निवेश के जरिए ओपनएआई के साथ लॉन्ग टर्म पार्टनशिप के तीसरे फेज की घोषणा की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन लाभों को व्यापक रूप से दुनिया के साथ साझा किया जाए।

सरकार को ट्रांसफर हो सकता है सहारा का फंड

मुंबई । सरकार सहारा-सेबी रिफंड अकाउंट के अनक्लेम्ड फंड को कंसोलिडेटेड फंड ऑफ इंडिया में ट्रांसफर करने पर विचार कर रही है। इसमें बाद में दावा करने वाले निवेशकों को रिफंड का प्रावधान होगा। सहारा ग्रुफ के फाउंडर सुब्रत रॉय के निधन के बाद ये जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, रिफंड अकाउंट स्थापित होने के बाद से पिछ्ले 11 वर्षों में मुश्किल से ही कोई दावेदार सामने आया है। ऐसे में फंड का इस्तेमाल पब्लिक वेलफेयर के लिए भी किया जा सकता है। वहीं बीते दिनों सहारा की 4 को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के निवेशकों का पैसा लोटाने के लिए सहारा रिफंड पोर्टल भी लॉन्च किया गया था। शुरुआत 5 हजार करोड़ रुपए से की गई थी।

24,400 करोड़ रुलौटाने के आदेश

सुब्रत रॉय पर उनकी दो कंपनियों में नियमों के खिलाफ लोगों से पैसे निवेश करवाने का आरोप लगा था। इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। दो साल तक तिहाड़ जेल में रहे और 2016 से वो पैरोल पर जेल से बाहर थे। 28 फरवरी 2014 को सुप्रीम कोर्ट ने सुब्रत रॉय को 24,400 करोड़ रुपए निवेशकों को लौटाने को कहा था। तब से लेकर आज तक यह केस चल रहा है। ये केस सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जुड़ा है।

जेजीयू के कुलपति सी. राज कुमार को डॉ. प्रीतम सिंह ट्रांसफॉर्मेशनल लीडर अवार्ड-2023 मिला

नोएडा।

ओपी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) सी. राज कुमार को डॉ. प्रीतम सिंह ट्रांसफॉर्मेशनल लीडर अवार्ड- 2023 से सम्मानित किया गया है। यह भारतीय उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट नेतृत्व योगदान के लिए सेवारत कुलपति-निदेशक को दिया जाता है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) सी. राज कुमार को उनके उल्लेखनीय नेतृत्व और उच्च शिक्षा में विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।उन्हें गेम चेंजर वाइस चांसलर और अनुकरणीय उच्च शिक्षा नेता के रूप में उद्धृत किया गया था।कुमार संस्थान निर्माण के प्रति समर्पित हैं, जिसका उदाहरण ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में उनका असाधारण नेतृत्व है। कानून, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में भारत को वैश्विक शैक्षणिक मानचित्र पर स्थापित करना राष्ट्र के लिए एक असाधारण योगदान है। कुमार ने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने पर कहा, शिक्षा भविष्य के नेतृत्व को फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है। भारतीय शिक्षा के लिए एक नई कल्पना होनी चाहिए, जो अतीत से प्रेरणा ले, लेकिन भविष्य की ओर भी ध्यान दे। यदि भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक उत्कृष्टता हासिल करने और उच्च रैंकिंग हासिल करने के प्रति गंभीर हैं, तो उच्च शिक्षा में नीति निर्माण, विनियमन और शासन के हर स्तर पर परिवर्तनकारी बदलाव की जरूरत है।उन्होंने यह पुरस्कार प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित जूरी को धन्यवाद दिया और कहा, भारत, अपनी विविध आबादी और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध देश, पिछले कुछ वर्षों में कई क्षेत्रों में काफी आगे बढ़ा है।

ऐसे भविष्य की कल्पना करना महत्वपूर्ण है, जिसमें भारत शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करेगा, विशेष रूप से कानून, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में बिजनेस स्कूलों और कॉलेजों के क्षेत्र में, क्योंकि भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी करीब आ रही है।प्रासंगिक रूप से, भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली ने यूरोप में पहले विश्वविद्यालय के उद्भव से बहुत पहले ही प्राचीन दुनिया में विस्मय और सम्मान अर्जित किया था और दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ छात्रों और शिक्षाविदों को आकर्षित किया था। इसलिए, हमें अपने भविष्य पर सकारात्मक रूप से विचार करने के लिए अपने अतीत के कार्यों से वर्तमान में सीखना चाहिए। डॉ. प्रीतम सिंह लीडरशिप अवार्ड और प्रिज्म-2023 समापन समारोह बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) के परिसर में आयोजित किया गया था।

सैम ऑल्टमैन के माइक्रोसॉफ्ट ज्वाइन करने पर एलन मस्क ने कसा तंज, कहा- 'अब उन्हें टीम्स का यूज करना होगा!'

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने ओपनएआई के पूर्व सीईओ सैम ऑल्टमैन और सह-संस्थापक ग्रेग ब्रॉकमैन की नियुक्ति की घोषणा की। इस पर अरबपति एलन मस्क ने मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी। मस्क ने सोमवार को ऑल्टमैन और ब्रॉकमैन की नियुक्ति की घोषणा करने वाली नडेला के एक्स पोस्ट का जवाब देते हुए कहा, 'अब उन्हें टीम्स का उपयोग करना होगा!' दरअलस, मस्क माइक्रोसॉफ्ट टीम्स का जिक्र कर रहे थे, जो माइक्रोसॉफ्ट द्वारा डेवलप बिजनेस कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म है। बता दें कि ग्रेग ब्रॉकमैन ने अपने पोस्ट में बताया था कि उन्हें और सैम को गूगल मीट की वीडियो कॉल पर निकाल दिया गया। इस पोस्ट पर एलन मस्क की ओर से प्रतिक्रिया आयी कि ओपनएआई की पार्टनरशिप तो माइक्रोसॉफ्ट के साथ है। उनका कहने का मतलब था कि वह माइक्रोसॉफ्ट के टीम्स का उपयोग करने के बजाय गूगल मीट का क्यों इस्तेमाल कर रहे थे? अब अपने लेटेस्ट रिएक्शन में एलन मस्क ने तंज कसते हुए कहा कि कि अब जब यहां से निकाले जाएंगे तो उन्हें टीम्स के जरिए वीडियो कॉल की जाएगी।इस बीच, ओपनएआई बोर्ड ने पूर्व ट्विच सीईओ एम्मेट शीयर को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया है। ओपनएआई के सह-संस्थापक और बोर्ड निदेशक इल्या सुतस्केवर ने कहा कि शीयर अंतरिम सीईओ का पद संभालेंगे।

कारोबारी सप्ताह के पहले लाल निशाने पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार लाल निशान के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 139.58 अंक की गिरावट के साथ 65,655.15 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 37.80 अंकों की गिरावट के साथ 19,694.00 पर बंद हुआ। निफ्टी मिड कैप 100, बीएसई स्मॉल कैप और निफ्टी आईटी में मामूली तेजी दर्ज की गई। भारतीय शेयर बाजार की सोमवार को सपाट शुरुआत हुई। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेतों के कारण प्रमुख इंडेक्स ओपेनिंग से ही लाल निशान में दिखे। बीएसई का 30 शेयरों सूचकांक 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में 0.19 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में भारती एयरटेल, विप्रो, एचसीएल तकनीक, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और मारुति लाभ पाने वालों में से थे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फाइनैंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील शामिल हैं। वहीं एशियाई बाजारों में, सियोल, शंघाई और हांगकांग हरे निशान में बंद हुए, जबकि टोक्यो निचले स्तर पर बंद हुआ।

यूरोपीय बाजार का मिला-जुला रुख रहा। बता दें कि शुक्रवार को अमेरिकी बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत चढ़कर 81.21 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 477.76 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

कुछ महीनों तक काफी धीमी हो सकती है ऐप-आधारित ऋण सेवा

नई दिल्ली।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार ऐप-आधारित ऋण सेवा में नए प्लेयर्स के आने से इसमें अब कम से कम कुछ महीनों के लिए बहुत धीमी वृद्धि देखी जा सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि व्यक्तिगत ऋण और क्रेडिट कार्ड खंड ने पिछले दो वर्षों में 22 प्रतिशत की सीएजीआर दर्ज की है। आरबीआई यह जांचने के लिए ऋणदाताओं पर बारीकी से नजर रखता है कि क्या किसी विशेष खंड में वृद्धि अधिक हो रही है। सावधानी के तौर पर, यदि आरबीआई को चिंता महसूस होती है तो वह ऋणदाताओं को विकास को धीमा करने के लिए सूचित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ध्यान देने योग्य बात यह है कि आरबीआई ने आवास ऋण और वाहन वित्त में उच्च वृद्धि के बारे में चेतावनी नहीं दी है क्योंकि इन ऋणों के लिए आनुषंगिक (कोलैटरल) बेहतर प्रतीत होता है, जबकि उपभोक्ता ऋण के लिए आनुषंगिक (कोलैटरल) कमजोर होता है।आगे कहा गया, परिणामस्वरूप उपभोक्ता क्षेत्रों में चूक से ऋणदाताओं की लाभप्रदता में बाधा आ सकती है। इस कदम का उद्देश्य पूरे क्षेत्र में हाल ही में देखी गई तेजी से वृद्धि को रोकना है। इस कार्रवाई से एनबीएफसी और डिजिटल फिनटेक ऋणदाता काफी प्रभावित होंगे क्योंकि उनके

पास विविधीकृत बैलेंस शीट नहीं है। एनबीएफसी ग्राहकों पर लागत का बोझ डालने में सक्षम नहीं हो सकती हैं, जिससे निकट अवधि में मार्जिन पर कुछ दबाव पड़ सकता है।आरबीआई ने मजबूत डेटा विश्लेषण और अनुमान प्रस्तुत किए हैं, जबकि डिफॉल्ट पर कोई ठोस डेटा नहीं है।

जीएम की सहायक कंपनी क्रूज के सह-संस्थापक और सीईओ काइल वोग्ट ने दिया इस्तीफा

सैन फ्रांसिस्को- कैलिफोर्निया के मोटर वाहन विभाग (डीएमवी) द्वारा क्रूज की तैनाती और चालक रहित परीक्षण परमिट को सस्पेंड करने के एक महीने से भी कम समय में जीएम की सेल्फ-ड्राइविंग कार सहायक कंपनी क्रूज के सह-संस्थापक और सीईओ काइल वोग्ट ने इस्तीफा दे दिया है। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, जीएम अध्यक्ष और सीईओ मैरी बर्रा ने घोषणा की कि क्रूज में इंजीनियरिंग के कार्यकारी उपाध्यक्ष मो एलशेनावी, क्रूज के अध्यक्ष और सीटीओ के रूप में काम करेंगे। हालांकि, नए क्रूज सीईओ की घोषणा होना अभी बाकी थी।वोग्ट ने कर्मचारियों को किए एक ईमेल में कहा, क्रूज अभी शुरू ही हुआ है, और मेरा मानना है कि इसका भविष्य बहुत ही शानदार होगा। आप सभी प्रतिभाशाली, प्रेरित और मेहनती हैं। मुझे दुख है कि मैं अब आपके साथ मिलकर काम नहीं करूंगा। उन्होंने आगे कहा, मैं जानता हूं कि आप एक बहुत ही मजबूत, मल्टी-ईयर टेक्नोलॉजी रोडमैप और एक्साइटिंग प्रोडक्ट विजन पर अमल कर रहे हैं और मैं यह देखकर रोमांचित हूं कि क्रूज ने अपने अगले चैप्टर में क्या स्टोर किया है।उन्होंने एक्स पर भी पोस्ट किया, जहां तक मेरी बात है कि मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने और कुछ नए विचार तलाशने की योजना बना रहा हूं। शानदार यात्रा के लिए धन्यवाद! बर्रा ने कहा कि क्रूज बोर्ड सीईओ पद से इस्तीफा देने के उनके फैसले को समझता है और उसका सम्मान करता है।

सैम ऑल्टमैन के ओपनएआई सीईओ के रूप में वापसी का रास्ता बंद : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

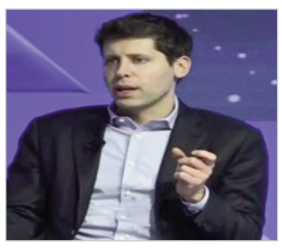

सैम ऑल्टमैन ओपनएआई में कथित तौर पर फिर से वापसी नहीं करेंगे। अब पूर्व ट्विच सीईओ एम्मेट शीयर को चैटजीपीटी डेवलपर में अंतरिम सीईओ के रूप में नियुक्त किए जाने की संभावना है। सूचना के अनुसार, कंपनी के अधिकारियों द्वारा उन्हें वापस लाने के कड़े प्रयासों के बावजूद, ऑल्टमैन ओपनएआई के सीईओ का पदभार नहीं सभालेंगे। ओपनएआई के सह-संस्थापक और बोर्ड निदेशक इल्या सुतस्केवर ने कहा कि अमेजन के स्वामित्व वाली वीडियो स्ट्रीमिंग साइट ट्विच के सह-संस्थापक शीयर अंतरिम सीईओ के रूप में पदभार संभालेंगे। रविवार देर रात रिपोर्ट में कहा गया है कि यह फैसला बोर्ड द्वारा ऑल्टमैन को अचानक बाहर करने और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन को बोर्ड से हटाने के चलते उत्पन्न संकट को और बढ़ा सकता है। आंतरिक रूप से फैसले की घोषणा के तुरंत बाद कर्मचारी सैन फ्रांसिस्को में ओपनएआई मुख्यालय से निकल गए।ऐसा माना जा रहा है कि शीयर की नियुक्ति से ऑल्टमैन की वापसी का रास्ता बंद हो गया है। वीकेंड में ऑल्टमैन की वापसी के बारे में बोर्ड गहन चर्चा कर रहा था। ऑल्टमैन ओपनएआई के कार्यालय में लौटे और कहा कि यह पहली और आखिरी बार होगा, जब उन्होंने गेस्ट बैज पहना होगा। इसका मतलब साफ था कि वह या तो सीईओ के रूप में लौटेंगे या कभी वापस

नहीं लौटेंगे। ओपनएआई के सीईओ के रूप में ऑल्टमैन की वापसी पर सस्पेंस सोमवार को भी जारी रहा क्योंकि ओपनएआई लीडर्स और निवेशकों ने ऑल्टमैन को कंपनी में बहाल करने की मांग की। उन्हें 17 नवंबर को अनौपचारिक रूप से बर्खास्त कर दिया था। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला कथित तौर पर ऑल्टमैन, पूर्व ओपनएआई अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन और वर्तमान बोर्ड सदस्यों के बीच चर्चा में मध्यस्थता कर रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो चीजें अलग रास्ता अपनाएंगी।

एडटेक यूनिकॉर्न फिजिक्सवाला ने 100 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली।

एडटेक कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कथित तौर पर 100 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जो लागत-पुनर्गठन प्रक्रिया के बीच कंपनी में पहली छंटनी है।एन्ट्रैकर की रिपोर्ट के मुताबिक, फिजिक्सवाला ने पुष्टि की कि लगभग 70 से 120 कर्मचारियों को हटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, सामग्री, संचालन और अन्य विभागों के कर्मचारियों को हटा दिया गया।कंपनी के कार्यकारी ने कहा, हम विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए अगले छह महीनों में अतिरिक्त 1,000 कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना भी बना रहे हैं।

फिजिक्सवाला पिछले साल वेस्टब्रिज कैपिटल और जीएसवी वेंचर्स से 10 करोड़ डॉलर के राउंड के साथ यूनिकॉर्न बन गया। वित्त वर्ष 2012 में परिचालन से कंपनी का राजस्व 9.5 गुना बढ़कर 233 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2011 में 24.6 करोड़ रुपये था। 2016 में प्रसिद्ध यूट्यूब स्टेम शिक्षक अलख पांडे द्वारा स्थापित और बाद में तकनीकी कार्यकारी प्रतीक माहेश्वरी द्वारा शामिल किया गया, फिजिक्सवाला जेईई, एनईईटी और अन्य इंजीनियरिंग प्रवेश और राज्य बोर्ड परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री प्रदान करता है।पीडब्लू के 61 यूट्यूब चैनलों पर 3.1 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। इसके अलावा, इसके मोबाइल ऐप को 1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया गया है और गूगल प्ले स्टोर पर इसकी रेटिंग 4.5 है।

आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गोरखपुर लिंक एवं गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे लगेंगे उद्योग

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने औद्योगिक केंद्रों के लिए स्थलों को चिन्हित कर लिया है। योजना के अनुसार यूपीडा प्रदेश में पांच एक्सप्रेसवेज के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करेगा। इनमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे एवं गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इस पर योगी सरकार अनुमानित सात हजार करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च करेगी। प्रदेश के कुल 12 जनपदों को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे पर 11 स्थलों को औद्योगिक गलियारे के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1522 हेक्टेयर है। इस पर करीब 2300 करोड़ के अनुमानित व्यय का अनुमान है।इसी तरह, 7 जनपदों को जोड़ने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे 6 स्थलों को चिन्हित किया गया है। इसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1884 हेक्टेयर है, जिस पर 1500 करोड़ से ज्यादा व्यय का अनुमान है। इसी तरह, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जुड़े 10 जनपदों में 5 स्थलों का चयन किया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 532 हेक्टेयर है,

जिसके विकास पर करीब 650 करोड़ का व्यय अनुमानित है। वहीं, 9 जनपदों को जोड़ने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर औद्योगिक गलियारे के लिए 5 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1,586 हेक्टेयर है और अनुमानित व्यय 2300 करोड़ होने की संभावना है। पांचवां और अंतिम एक्सप्रेसवे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे है। इसके 4 जनपदों में 2 स्थानों को औद्योगिक केंद्रों के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 345 हेक्टेयर होगा और अनुमानित व्यय 320 करोड़ होने की संभावना है। कुल मिलाकर इन पांचों एक्सप्रेसवेज पर 30 स्थलों को चिन्हित किया गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 5,800 हेक्टेयर से ज्यादा है। यूपीडा की ओर से चिन्हित सभी 30 स्थलों से जुड़े 108 ग्रामों को प्रदेश सरकार की ओर से अधिसूचित किया जा चुका है। वहीं, भूमि क्रय के लिए संबंधित 6 जिलाधिकारियों को 200 करोड़ रुपए भी जारी किए जा चुके हैं।

नवंबर में अब तक क्रिप्टो में 173 मिलियन डॉलर का नुकसान : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

नवंबर महीने में अब तक क्रिप्टोकरेंसी में 173 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, जिसमें दो घटनाओं से 91 फीसदी नुकसान हुआ है। ब्लॉकचेन और स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट सुरक्षा कंपनी सर्टिक के अनुसार, नवंबर ने पहले ही 2023 में चौथा सबसे बड़ा मासिक घाटा दर्ज किया है। यह उछाल क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज पोलोनीक्स की हालिया हैक से प्रेरित था। साइबर अपराधियों द्वारा पोलोनिक्स के हॉट वॉलेट खत्म कर दिए जाने के बाद हैकरों ने पोलोनिक्स से 114 मिलियन डॉलर से अधिक की चोरी कर ली है।

अरखाम डेटा से पता चला है कि एक एथेरियम वॉलेट, जिसे अब पोलोनिक्स हैकर के रूप में टैग किया गया है, ने 357 लेनदेन में पोलोनिक्स से कुल 114 मिलियन डॉलर मूल्य के टोकन भेजे। सर्टिक अलर्ट ने एक्स पर पोस्ट किया, नवंबर में घाटा अब तक 173 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें दो घटनाएं 91 फीसदी नुकसान का हिस्सा हैं। इसमें कहा गया है, नवंबर में पहले से ही इस साल किसी भी महीने का चौथा सबसे अधिक घाटा है। सुरक्षा फर्म ने यह भी बताया कि फिशिंग स्कीम के चलते लगभग 27 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इस बीच, क्रॉस-चेन क्राइम के जरिए क्रिप्टोकरेंसी में 7 बिलियन डॉलर से ज्यादा की अवैध रूप से हेराफेरी की गई है, जिसमें उत्तर कोरिया के लाजर समूह को जुलाई 2022 और इस साल जुलाई के बीच लगभग 900 मिलियन डॉलर की चोरी से जोड़ा गया है। ब्लॉकचेन एनालिटिक्स फर्म एलिप्टिक के अनुसार, विकेंद्रीकृत एक्सचेंज (डीईएक्स), क्रॉस-चेन ब्रिज और सिक्का स्वैप सर्विसेज ने 7 बिलियन डॉलर के अवैध फंड को प्रोसेस्ड किया है।

आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ टीम के कप्तान बने रोहित, कोहली के अलावा इन खिलाड़ियों को मौका

मुंबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा को विश्व कप के बाद सोमवार को टूर्नामेंट की आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ टीम का कप्तान बनाया गया। जिसमें टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली सहित छह भारतीयों को एकादश में जगह मिली है। रोहित ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान आक्रामक और निडर बल्लेबाजी की जिसके लिए उनकी काफी सराहना हुई। भारतीय कप्तान 11 मैच में एक शतक और तीन अर्धशतक से 54.27 के औसत से 597 रन बनाकर कोहली के बाद टूर्नामेंट के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। आईसीसी की टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में 6 भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी दर्शाती है कि भारत ने भले ही खिताब नहीं जीता हो लेकिन मेजबान टीम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम थी जिसने लगातार 10 मैच जीते। विकेटकीपर बल्लेबाज और उप कप्तान लोकेश राहुल को भी टीम में जगह दी गई। वह एक शतक और दो अर्धशतक की मदद से 75.33 के औसत से 542 रन बनाकर टूर्नामेंट में आठवें सबसे सफल बल्लेबाज रहे। लीग चरण के शुरुआती चार मैचों से बाहर रहने के बावजूद मोहम्मद शमी सिर्फ सात मैच में 10.70 के औसत से 24 विकेट चटकाकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, पुरुष क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ चार खिलाड़ियों ने विश्व कप में शमी के 55 विकेट से अधिक विकेट चटकाए हैं, जो लसिथ मलिंगा (56), मिशेल स्टार्क (65), मुथैया मुरलीधरन (68) और ग्लेन मैकग्रा (71) हैं लेकिन शमी ने ये विकेट अपने से आगे मौजूद खिलाड़ियों से 10 कम मैचों में चटकाए हैं। विश्व कप में 11 मैच में 18.65 के औसत से 20 विकेट के साथ चौथे सबसे सफल गेंदबाज रहे भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह को भी आईसीसी एकादश में जगह मिली है।

आईसीसी ने कहा, टूर्नामेंट में एक से अधिक मैच खेलने वाला कोई भी गेंदबाज बुमराह की 4.06 की इकोनॉमी रेट से बेहतर गेंदबाजी नहीं कर पाया- यह आंकड़ा इसलिए भी बेजोड़ है क्योंकि वह काफी बार उस समय गेंदबाजी करते हैं जब क्षेत्ररक्षण की सीमाएं लागू होती हैं।'' ऑलराउंडर के रूप में भारत के रविंद्र जडेजा और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल को टीम में जगह मिली है। विश्व कप समाप्त होने के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप को अलविदा कहने वाले दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक को दो सलामी बल्लेबाजों में से एक के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

उन्होंने लीग चरण में शानदार प्रदर्शन कर चार शतक जड़े। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल को मिली है जो भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ दबदबा बनाने वाले एकमात्र गेंदबाज रहे। उन्होंने लीग चरण और फिर सेमीफाइनल दोनों मुकाबलों में भारत के खिलाफ शतक जड़ा। मिशेल दो शतक और इतने ही अर्धशतक से 10 मैच में 552 रन बनाकर टूर्नामेंट के पांचवें सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे। श्रीलंका का विश्व कप अभियान निराशाजनक रहा लेकिन उसके युवा गेंदबाज दिलशान मदुशंका नौ मैच में 21 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। विश्व कप के 11 मैच में 23 विकेट के

साथ टूर्नामेंट के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर एडम जंपा को भी एकादश में जगह मिली है जबकि दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएट्जी 12वें खिलाड़ी है।

आईसीसी की टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, विराट कोहली, डेरिल मिशेल, लोकेश राहुल, ग्लेन मैक्सवेल, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, एडम जंपा और दिलशान मदुशंका। 12वां खिलाड़ी- गेराल्ड कोएट्जी।

नोवाक जोकोविच ने रिकॉर्ड 7वीं बार एटीपी फाइनल्स का खिताब जीता

अहमदाबाद (एजेंसी)। तूरिन (इटली) = नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यानिक सिनर को सीधे सेटों में हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने एक घंटा 43 मिनट तक चले मैच में स्थानीय खिलाड़ी सिनर को 6-3, 6-3 से हराकर 36 वर्ष की उम्र में नई उपलब्धि हासिल की। इस तरह से साल की शुरुआत रिकॉर्ड से करने वाले जोकोविच ने साल का अंत भी नया रिकॉर्ड बनाकर किया।

उन्होंने 2023 के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड दसवां खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन में जीत हासिल करके 23वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर राफेल नडाल के रिकॉर्ड को तोड़ा था। जोकोविच को विंबलडन के फाइनल में कार्लोस अल्कराज़ से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन इसके बाद उन्होंने अमेरिकी ओपन में खिताब जीता।

जोकोविच ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि मेरी जिंदगी का यह सर्वश्रेष्ठ सत्र रहा। इस सप्ताह शानदार प्रदर्शन करने वाले स्थानीय खिलाड़ी यानिक के खिलाफ जीत दर्ज करके खिताब हासिल करना शानदार रहा। एटीपी फाइनल्स में इससे पहले सर्वाधिक खिताब जीतने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से जोकोविच और रोजर फेडरर के नाम दर्ज था।

वर्ल्ड कप नहीं जीता तो क्या, हमारा दिल जीता है : बॉलीवुड सेलेब्स ने बढ़ाया हौंसला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर टीम का हौसला बढ़ाने के लिए बॉलीवुड सेलेब्स आगे आए हैं। उन्होंने कहा है कि टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप नहीं जीता तो क्या, हमारा दिल जीता है। इस तरह से कई सेलेब्स एकजुटता से सामने आए हैं। इनमें बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान, सिंघम अजय, देवगन समेत कई सारे सेलेब्स ने टीम इंडिया का हौंसला बढ़ाया है। गौरतलब है कि किंग खान अपने पूरे परिवार के साथ मैच देखने पहुंचे थे। वहीं भारतीय टीम के द्वारा ट्रॉफी न जीत पाने के बाद टीम का हौंसला बढ़ाते हुए किंग खान ने ट्वीट किया है। उन्होंने ट्वीट के जरिए टीम के हौंसले को सराहा है। एक्ट्रेस काजोल ने इंडिया का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि हारकर जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं। करीना कपूर ने टीम इंडिया का हौंसला बढ़ाते हुए इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है। एक्टर सुनील शेट्टी ने भी टीम के लिए एक स्पेशल नोट लिखा है। एक्टर आयुष्मान खुराना ने स्पेशल कोट शेयर करते हुए लिखा कि असफलता ही सफलता का एक हिस्सा है। भारतीय टीम का हौंसला बढ़ाते हुए अजय देवगन ने स्टोरी शेयर करते हुए कहा है कि हमेशा अपना सिर ऊंचा रखो। इधर जूनियर बच्चन ने भी टीम इंडिया का हौंसला बढ़ाते हुए ट्वीट शेयर किया है। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने भी टीम इंडिया का हौंसला बढ़ाते हुए स्टोरी शेयर की है।

टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम का गमगीन नजारा देख कोच द्रविड़ भी हुए भावुक

-हर खिलाड़ी के चेहरे पर छाई हुई थी मायूसी, 12 साल के इंतजार के बाद टूटी उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने कड़ी मेहनत करके वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में तो बना ली थी, लेकिन उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद ड्रेसिंग रूम में भारतीय खिलाड़ी बेहद निराश दिख रहे थे। कोच राहुल द्रविड़ जब यहां पहुंचे तो सभी खिलाड़ी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। खुद राहुल भी वहां का नजारा देख भावुक हो गए। इस दौरान टीम इंडिया के खिलाड़ियों पर ट्रॉफी नहीं जीत पाने का गम साफ दिखाई दे रहा था। कप्तान रोहित शर्मा और मोहम्मद सिराज अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके वहीं विराट कोहली कैप से मुंह छुपाकर ग्राउंड से बाहर निकले। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ जब ड्रेसिंगरूम में पहुंचे तो वहां का मंजर उनसे देखा नहीं जा रहा था। सभी के चेहरे लटके हुए थे। खिलाड़ी बहुत परेशान थे। ऑस्ट्रेलिया ने खिताबी मुकाबले में भारत को 6 विकेट से हराकर रिकॉर्ड छठी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल करने पर

राहुल द्रविड़ ने स्वीकार किया कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत पर पानी फिर गया।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने कई महीनों से इस टूर्नामेंट में यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की थी। 12 साल के सूखे को दूर करने के इतने करीब पहुंचने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी। हार के बाद ड्रेसिंगरूम का हाल बेहाल था। राहुल द्रविड़ ने मीडिया से कहा, हां, बिल्कुल रोहित शर्मा निराश हैं, जैसे ड्रेसिंग रूम में पहुंचा तो जिस तरह का माहौल था, वह मुझसे देखा नहीं जा रहा था। एक कोच के रूप में इसे देखना कठिन था, क्योंकि मैं जानता हूं कि इन लोगों ने कितनी मेहनत की है, उन्होंने क्या योगदान दिया है, कितना बलिदान दिया है। तो, यह कठिन है। मेरा मतलब है, एक कोच के रूप में इसे देखना कठिन है, क्योंकि आप इन लड़कों को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। आपको यह देखने को मिलेगा कि उन्होंने कितना प्रयास किया है, हमने किस तरह का क्रिकेट खेला है। लेकिन हां यह खेल का हिस्सा है। ऐसा होता है, उस दिन बेहतर टीम को जीत मिली है।'

गौरतलब है कि भारत ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 240 रन बनाए। विराट कोहली और केएल राहुल ने अर्धशतकीय पारी खेली वहीं रोहित शर्मा 3 रन से अपनी फिफ्टी चूक गए। ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के शतक और मार्नस लैबुशेन के नाबाद अर्धशतक की मदद से मुकाबले को आसानी से जीत लिया। बकौल द्रविड़, 'मुझे यकीन है कि कल सुबह सूरज निकलेगा। हम इससे सीखेंगे। और हम आगे बढ़ेंगे। मेरा मतलब है, खिलाड़ी के रूप में आप यही करते हैं। खेल में आपकी कुछ महान उपलब्धियां हैं, और खेल में आपके कुछ निम्न स्तर भी हैं। और आप आगे बढ़ते रहें। आप रुकना मत। क्योंकि यदि आप अपने आप को दांव पर नहीं लगाते हैं, आप अपने आप को इस तरह के खेलों में नहीं डालते हैं, तो आप महान ऊंचाइयों का अनुभव नहीं करते हैं।

सविता पूनिया की निगाह लगातार तीसरी बार वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर बनने पर

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया की निगाह लगातार तीसरी बार वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार हासिल करने पर टिकी हैं। उन्हें फिर से एफआईएच हॉकी स्टार अवार्ड्स के लिए नामांकित किया गया है। सविता को इससे पहले 2021 और 2022 में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं लगातार दो वर्ष यह पुरस्कार हासिल करूंगी और मुझे फिर से नामित किया जाएगा। मैं वास्तव में बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। यह मेरे लिए, मेरे परिवार के लिए और मेरे साथियों के लिए गौरवशाली क्षण है। सविता ने कहा कि जब मैंने खेलना शुरू किया था तो मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं इतने आगे तक जाऊंगी। टीम खेल में कोई भी उपलब्धि व्यक्तिगत प्रयासों पर नहीं बल्कि टीमवर्क पर आधारित होती है। जब आपकी कड़ी मेहनत को मान्यता मिलती है तो इससे अच्छा लगता है और इससे पूरी टीम प्रेरित होती है।

एडम जैम्पा ने स्पिनर के रूप में लिए सर्वाधिक विकेट

अहमदाबाद। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को आस्ट्रेलियाई बॉलर एडम जम्पा ने आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में भारत के खिलाफ सर्वाधिक विकेट लेने के महान मुथैया मुरलीधरन के रिकॉर्ड की बराबरी की। स्पिनर एडम जम्पा ने अपना अभियान 11 मैचों में 23 विकेट के साथ समाप्त किया। मुरलीधरन ने 2007 में 10 मैचों में 23 विकेट लिए थे। जम्पा ने 10-0-44-1 के आंकड़े के साथ समाप्त किया। ब्रैड हॉग (2007) और शाहिद अफरीदी (2011) 21 विकेट के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इस बीच जम्पा भारतीय धरती पर वनडे में 50 विकेट लेने वाले पहले विदेशी गेंदबाज भी बन गए। लेग्गी को इस मुकाम तक पहुंचने में 27 मैच लगे। लेग स्पिनर को टूर्नामेंट में एक चुनौतीपूर्ण क्षण का सामना करना पड़ा, चेन्नई में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनका लचीलापन सामने आया और बाद के खेलों में जम्पा ने एक सनसनीखेज बदलाव की पटकथा लिखी। श्रीलंका के खिलाफ शुरुआत में 21 ओवरों में 1-145 के आंकड़े के साथ संघर्ष करने के बाद उन्होंने उल्लेखनीय वापसी की और 69 ओवरों में 9.66 के प्रभावशाली औसत से 20 विकेट हासिल किए। निर्णायक मोड़ श्रीलंका के खिलाफ मैच में आया जहां ज़म्पा के 4 विकेट ने खेलों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन किया। जाम्पा मौजूदा वनडे वर्ल्ड कप में 23 विकेट के साथ दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं इसने एक सिलसिले की शुरुआत की जहां उन्होंने चार विश्व कप खेलों में लगातार तीन या अधिक विकेट लिए, इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वनडे विश्व कप के इतिहास में पहले व्यक्ति के रूप में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया।

प्रणय और सेन चीन मास्टर्स सुपर 750 में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वापसी कर रहे एचएस प्रणय सहित भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सत्र के अंतिम बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट चीन मास्टर्स से पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में जरूरी रैंकिंग अंक जुटाने की उम्मीद होगी। पीठ की चोट के बाद वापसी करते हुए प्रणय को जापान ओपन सुपर 500 के दूसरे दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था और वह यहां पुरुष एकल में एक बार फिर शीर्ष भारतीय खिलाड़ी होंगे।

प्रणय चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे जिन्होंने जापान में पिछले मुकाबले में उन्हें हराया था। ओलंपिक में क्वालीफाई करने के लिए अगले साल 28 अप्रैल तक शीर्ष 16 में शामिल रहने के लिए चुनौती पेश कर रहे

दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन और 23वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पिछले हफ्ते पहले दौर में जापान के विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता कोडाई नारोआका के खिलाफ शिकस्त के बाद सेन जब चीन के सातवें वरीय शी युकी से भिड़ेंगे तो उन्हें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मौजूदा सत्र में सिर्फ चार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले श्रीकांत को अपनी गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा है। दुनिया के इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने पिछले हफ्ते जापान मास्टर्स में हिस्सा नहीं लिया था और यहां वह अपने अभियान की शुरुआत गत विश्व चैंपियन थाईलैंड के चौथे वरीय कुनलावत वितिदसार्न के खिलाफ करेंगे। प्रियांशु राजावत पहले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से भिड़ेंगे। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीय जोड़ी पिछले हफ्ते जापान में पहले दौर की शिकस्त को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत बेन लेन और सीन वेंडी की इंग्लैंड की जोड़ी के खिलाफ करेगी।

महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रीशा जॉली हट गई हैं। इस वर्ग में रुतुपर्णा और श्वेतापर्णा पांडा चुनौती पेश करेंगी। महिला एकल में आकर्षी कश्यप एकमात्र भारतीय हैं। वह चीन की झेंग यी मान से भिड़ेंगी।

रोमेलु लुकाकु ने बनाया नया रिकॉर्ड, सर्बिया ने यूरो 2024 के लिए किया क्वालीफाई

मैड्रिड । बेल्जियम के स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकु ने पहले हाफ में चार गोल करके यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफाइंग फुटबॉल प्रतियोगिता के अपने अंतिम मैच में अपनी टीम को अजरबैजान पर 5-0 से जीत दिलाई। लुकाकु ने क्वालीफायर्स में कुल 14 गोल किए जो पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो से 4 और फ्रांस के किलियन एमबापे से 5 गोल ज्यादा हैं। इस तरह से लुकाकु ने यूरोपीय क्वालीफाइंग चैंपियनशिप में सर्वाधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की (यूरो 2016 क्वालीफाइंग में) और उत्तरी आयरलैंड के डेविड हीली (यूरो 2008 क्वालीफाइंग में) के 13 गोल के रिकॉर्ड को तोड़ा। बेल्जियम ग्रुप एफ से ऑस्ट्रिया के साथ पहले ही यूरोपीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुका है। इस बीच सर्बिया ने बुल्गारिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर जर्मनी में होने वाले यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई किया। एक अन्य मैच में स्पेन ने जॉर्जिया को 3-1 से पराजित किया, लेकिन इस मैच के दौरान उसके स्टार मिडफील्डर गावी चोटिल हो गए।

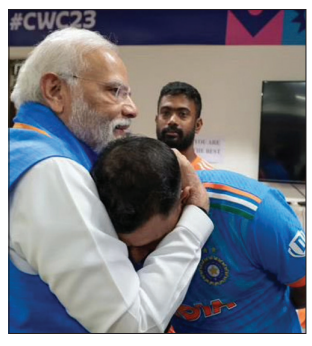

हार के बाद शमी की भावुक पोस्ट..दुर्भाग्य से कल हमारा दिन नहीं था

अहमदाबाद । अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में टीम इंडिया ट्रॉफी जीतने का सुनहरा मौका चूक गया। पूरा देश जिस जीत की उम्मीद कर रहा था, वहां दर्दनाक हार में बदल गई। वहीं हार के बाद भारतीय पेसर मोहम्मद शमी ने पोस्ट डाली है, जिसके साथ उन्होंने फोटो भी शेयर किया है। फोटो में पीएम मोदी शमी को सांत्वना देते नजर आ रहे हैं। शमी ने पोस्ट किया है कि दुर्भाग्य से कल हमारा दिन नहीं था। पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारी टीम और मेरा समर्थन करने के लिए मैं सभी भारतीयों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी हूं विशेष रूप से ड्रेसिंग रूम में आना और हमारा उत्साह बढ़ाने के लिए। शमी को भारत की प्लेइंग-11 में देर से शामिल किया गया, लेकिन उसके बाद उन्होंने बड़ा प्रभाव छोड़ा। न्यूजीलैंड पर सेमीफाइनल में सात विकेट लेने की सफलता के बाद उन्होंने विश्व कप नॉकआउट खेल में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। न्यूजीलैंड (5/54) और श्रीलंका (5/18) के खिलाफ शानदार प्रदर्शन ने शमी को विकेट चार्ट में शीर्ष पर पहुंचाने में मदद की। भारत के शुरुआती चार मैचों से बाहर रहने के बावजूद शमी सात मैच में 10.70 के शानदार औसत से 24 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में तीन बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्श ने ट्रॉफी पर रखे पैर, प्रशंसकों ने तुम ट्रॉफी डिजर्व नहीं करते

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मुकाबले में आसान सी जीत दर्ज की। शानदार बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार विश्व कप का खिताब उठाया। इस बीच सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रहा है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श ट्रॉफी पर पैर रखे नजर आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलियारई खिलाड़ी मार्श की एक फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है जिसमें वह ट्रॉफी पर पैर रखे नजर आ रहे हैं। यह फोटो ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई थी। फोटो को देखकर भारतीय फैंस काफी गुस्से में दिखाई दे रहे हैं। कई फैंस ने यह तक कह दिया कि तुम ट्रॉफी डिजर्व नहीं करते हो। कुछ ने उनकी तुलना लियोनेल मेसी तक से की। दरअसल, मेसी ने जब फीफा विश्व कप का खिताब जीता था, तब अगले दिन वह ट्रॉफी को अपने पास रखकर सोते दिखाई दे रहे थे। फैंस ने इसी की तुलना मिचेल मार्श से की। फैंस का कहना है कि मिचेल मार्श को ट्रॉफी पर पैर नहीं रखना चाहिए।

पिच पर पहुंचने वाले फिलिस्तीन समर्थक का मिला ऑस्ट्रेलियाई कनेक्शन

-विराट कोहली के कंधे पर हाथ रखने वाले को सुरक्षा एजेंसियों ने किया पुलिस के हवाले

अहमदाबाद (एजेंसी)। रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए मैच के दौरान सुरक्षा में भारी चूक हुई। मैच के दौरान एक फिलिस्तीन समर्थक अचानक स्टेडियम से मैदान में घुस गया और सुरक्षाकर्मियों की आंखों में धूल झोंक कर पिच पर पहुंच गया। इस दौरान उसने बल्लेबाजी कर रहे विराट कोहली के साथ कंधे पर जबरदस्ती हाथ भी रखा। इस फिलिस्तीन समर्थक ने चेहरे पर नकाब पहना हुआ था और बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे उठाया और स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस फिलिस्तीन समर्थक को चांदखेड़ा थाने ले गई और युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह युवक ऑस्ट्रेलियाई है और इसका नाम वैन जॉनसन है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम के अंदर कैसे पहुंचा। पुलिस ने खुलासा किया है कि 24 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई नागरिक वैन जॉनसन के भारतीय टी-शर्ट पहनकर स्टेडियम में एंट्री की थी। स्टेडियम में प्रवेश करने के बाद उसने फिलिस्तीन के समर्थन में लिखी टी-शर्ट पहन रखी थी। मौका पाकर स्टेडियम में चल रहे खेल के दौरान मैदान के बीच तक पहुंच गया। उसने फिलिस्तीन के झंडे के साथ विराट कोहली के कंधे पर हाथ रखा, तब सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। सवाल यह भी हैं कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मैच में वह फिलिस्तीन का झंडा लेकर कैसे पहुंचा। उसने एक टी-शर्ट पहनी हुई थी जिस पर 'आजाद फिलिस्तीन' लिखा था। यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या उसने कोई और टी-शर्ट पहनी हुई थी? जब वह स्टेडियम में दाखिल हुआ। गिरफ्तार शख्स की टीशर्ट पर सामने लिखा था स्टॉप बॉम्बिंग फ़िलिस्तीन। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर इस युवक के विराट कोहली को गले लगाने के पीछे क्या सच्चाई है? मैच से एक दिन पहले अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर मलिक ने जब मीडिया से बात की तो उन्होंने कहा था कि पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। स्टेडियम के अंदर 2 एनडीआरएफ, 10 बम दस्ते, रासायनिक, जैविक और परमाणु डिटेक्टरों सहित लगभग 3000 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। विश्व कप का फाइनल मैच देखने के लिए स्टेडियम में वीवीआईपी लोगों का जमावड़ा लगा हुआ था। मैच के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री रिचर्ड मार्क्स और ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल स्टेडियम में मौजूद रहे। मैच देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट और गुजरात हाई कोर्ट के जस्टिस और पूर्व जस्टिस, सिंगापुर, अमेरिका, यूएई के राजदूत, उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल का परिवार भी स्टेडियम में मौजूद था। साथ ही असम के सीएम, मेघालय के सीएम, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, आरबीआई गवर्नर, गुजरात, तमिलनाडु और कई राज्यों के मंत्री समेत तमिलनाडु के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि ने मैच देखा। इसके अलावा जब बॉलीवुड सितारे भी स्टेडियम में मैच देख रहे हैं तो सुरक्षा खामियों को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नन्हा शिशु बहुत कोमल होता है। जरा-सी लापरवाही उसके लिए नुक्सानदेह हो सकती है। इस कला में निपुण होने के लिए निम्र बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

शिशु को नहलाना भी एक कला है

- बच्चे को नहलाते समय आपकी यही कोशिश होनी चाहिए कि वह पानी से डरने की बजाय स्नान में आनंद व प्रसन्नता का अनुभव करे। बच्चे को टब में बिठा कर नहलाएं। पानी से कलोल करने में उन्हें आनंद आता है, जिसे वे अपनी किलकारियों से प्रकट करते हैं। उसके इस आनंद में आप भी शामिल हों और अपना व अपने बच्चे का आनंद बढ़ाएं।
- शिशु को नहलाना शुरू करने के पहले सभी आवश्यक सामान अपने पास पहले ही रख लें ताकि आपको बीच में उठना न पड़े।
- बच्चे को नहलाने से तभी निश्चित करें, जब आपके पास पर्याप्त समय हो। हड़बड़ी में नहलाने से बच्चा पानी से भय खा सकता है।
- नहलाने से पहले बच्चे के शरीर की तेल से मालिश करें। मालिश करते समय सावधानी बरतें कि हाथ कोमलता से चलें और बच्चों के नाजुक अंगों को कोई झटका न लगे।
- मालिश के कुछ समय बाद ही नहलाना ठीक रहता है। सर्दी में बच्चों को धूप-स्नान देने के बाद ही नहलाना चाहिए। मालिश के बाद नहलाने से बच्चे की त्वचा स्वस्थ होती है। बच्चे की मांसपेशियों को व्यायाम व विश्राम मिलता है और बच्चा तनाव-थकान मुक्त होकर आराम की नींद सोता है।
- नहलाते समय आपके हाथ एकदम साफ हों, नाखून कटे हुए हों। यदि आपके हाथ में चुभने वाली चूड़ी, घड़ी या अंगूठी है तो उसे उतार दें।
- शिशु को न तो दूध पिलाने के एकदम बाद नहलाएं और न ही जब वह बहुत भूखा हो या किसी कारणवश रो रहा हो। स्नान के बाद उसे भली-भांति पोंछ कर मौसम के अनुकूल वस्त्र पहना कर दूध की खुराक दें ताकि पेट भर जाने के बाद ताजगी व प्रफुल्लता से शांति व आराम से देर तक सोता रहे।
- इस प्रकार आपकी थोड़ी-सी सावधानी व सूझ-बूझ बच्चों को स्वस्थ व प्रसन्नचित रखने में सहायक होगी और आप भी अपने साफ-सुथरे लाडले को आराम से सोता, खेलता देख कर खुश रहेंगी।

नौकरी पर परिवार को वरीयता देती महिलाएँ

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था।

डॉक्टर की डिग्री लेकर जॉब कर रही 34 साल की निशा की जिंदगी तब आसान नहीं रह गई जब उनका पहला बच्चा हुआ। उनके इंजीनियर पति और उनके पढ़े लिखे परिवार ने निशा को नौकरी छोड़कर होममेकर बनने की सलाह दी। बच्चे व परिवार की देखभाल के लिए उसे यह कदम उठाना सही लगा। आजकल ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार और बच्चे की देखभाल के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। निशा की सैलरी 40 हजार रुपए होते हुए भी उसे यही लगा कि उसे यह फैसला करना पड़ेगा। क्योंकि उसे अपने आस-पास कोई मदद करने वाला नहीं दिखा। ज्यादातर घरों में महिलाएं तभी जॉब कर पाती हैं जब उनके परिवार में उनके बच्चे को संभालने वाला कोई होता है। चाहे वह सास हों या मां या फिर जेठानी-देवरानी। नेशनल सैंपल सर्वे आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार जहां 2009-10 में भारत में जहां 47 फीसद महिलाएं होममेकर थीं, वहीं 1999-2000 में इसमें करीब पांच से छह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब ज्यादातर भारतीय महिलाएं अपने परिवार की देखभाल के लिए अपना कॅरियर और जॉब को छोड़ रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है- एकल परिवार। एकल परिवार में महिलाओं को घर-परिवार और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारी अकेले ही उठानी पड़ती है। परिवार की जिम्मेदारी बखूबी निभाने में वे चौतरफा दबाव में रहती हैं। कहीं यह मजबूरी में है तो कहीं खुशी से। एक सर्वे के मुताबिक करीब 15 से 17 फीसद महिलाएं सामाजिक व पारिवारिक दबाव में होममेकर रहती हैं। वहीं लगभग सात से दस फीसद महिलाएं घरेलू काम इस वजह से करती हैं कि वे मेड का खर्च नहीं उठा सकतीं। अभी पिछले दिनों जापान से खबर आई है कि वहां भी महिलाएं नौकरी छोड़ कर होममेकर बनना चाहती हैं। यह एक बड़ा बदलाव है। शायद ग्लोबल भी।

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था। हालांकि होममेकर के काम को आजकल कोई महत्व नहीं दिया जाता। देश की छोड़िए घर की इकोनामी प्रॉफिट में भी कभी उनके काम को शामिल नहीं किया जाता। मगर देखा जाए तो आज महिलाओं की जब कोई मदद करने वाला नहीं होता, तो उनके पास कोई विकल्प नहीं बचता।

पिछले दिनों गृहणियों को पति की सैलरी का कुछ हिस्सा उनकी मेहनत के लिए दिए जाने की बात चली पर समय के साथ ठंडी पड़ गई। वैसे भी जिस घर और पति पर एक होममेकर का पूरा अधिकार है तो फिर मेहनताना किस बात का? और अपने इसी घर-परिवार को संभालने के लिए आज ज्यादातर महिलाएं होममेकर की भूमिका निभाना चाहती हैं। घर परिवार की जिम्मेदारी के साथ-साथ महिलाएं अब घर पर रहकर ही छोटे-छोटे काम कर अपनी पॉकेट मनी निकाल लेती हैं। ऐसे में परिवार के साथ-साथ उन्हें इस बात का भी मलाल नहीं रह जाता कि वह जॉब नहीं कर रहीं या उनकी शिक्षा बेकार जा रही है। आजकल की आधुनिक युवा महिलाएं शानदार पेंटिंग बना रही हैं तो घर पर फैशन डिजाइनिंग का काम भी कर रही हैं। कुछ महिलाएं टिफिन से लेकर पापड़-बड़िया तक का कारोबार कर रही हैं। यों काम कोई छोटा-बड़ा नहीं। सबसे अहम यह है कि परिवार पर आप ध्यान दे रही हैं और आप खाली भी नहीं हैं। कुछ न कुछ तो कर ही रही हैं।

पॉजीटिव एनर्जी भी जरूरी

किसी भी घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तु बहुत उपयोगी होता है। वास्तु यह सुनिश्चित करता है कि घर में पॉजीटिव एनर्जी प्रवेश करे और सारी नैगेटिव वेल्स भाग जाएं। जब बात दीवाली की आती है तो वास्तु का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है।

चीजों का स्थान बदल दें

वास्तु के अनुसार घर में रखी कुछ चीजों को इधर से उधर जरूर रखना चाहिए। यदि आप सोफे पर रखा कुशन भी एक सोफे से दूसरे सोफे पर रख दें तो भी आपका काम हो जाएगा। शो-पीस, फ्लावर पॉट या फिर सोफा इत्यादि को एक-दूसरे के स्थान पर बदल कर रख सकती हैं।

नमक के पानी का छिड़काव

यूं तो पोंछा लगाने वाले पानी में नमक डालने से नैगेटिव एनर्जी दूर होती है परंतु आप दीवाली की सफाई के दौरान पानी में नमक मिला कर इसे घर के हर कोने में छिड़कते हैं तो भी यह घर की नैगेटिव एनर्जी को सोख लेता है।

दीवाली हो मीठी-सी

इस दिन आपके घर में चीनी की बिल्कुल भी कमी नहीं होनी चाहिए। यह एक रस्म है जो सुनिश्चित करती है कि आप का पूरा साल मीठा बीते। घर आए मेहमानों का मुंह मिठाई, केक, बिस्कुट या चॉकलेट से अवश्य मीठा कराएं। इससे रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है।

मुख्य प्रवेश द्वार

आपके घर का मुख्य प्रवेश द्वार बेहतरीन अवसरों को आप तक पहुंचाने में मदद करता है। इसलिए मेन गेट के सामने कोई अवरोध नहीं होना चाहिए तथा मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दरवाजे के सामने खूबसूरत रंगोली अवश्य बनानी चाहिए।

धन के लिए उत्तर जाइए

घर में उत्तर दिशा को कुबेर का स्थान कहा जाता है। सुनिश्चित करें कि माता लक्ष्मी की मूर्ति यहीं रखी जाए और गणेश जी की मूर्ति उनके दाहिने ओर हो। इसके अलावा मूर्तियों को लाल रंग के वस्त्र पहनाएं तथा उनका पूरा श्रृंगार करें।

बहता हुआ पानी

बहता पानी घर की सारी नैगेटिव एनर्जी को अपने साथ बहा कर ले जाता है। आप भी इन दिनों अपने घर के नॉर्थ-ईस्ट साइड में कोई छोटा-सा झरना लगा सकती हैं।

फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स से स्टाईलिश बनाएं सपनों का घर

आपके घर को सुंदर और स्टाईलिश बनाने के लिए विश्व की सबसे बड़ी पेंट एवं कोटिंग कंपनी एक्जोनोबल के ब्रांड ड्यूलक्स ने एक ब्रांड कैंपेन के माध्यम से अपने नये ड्यूलक्स वेल्वेट टच कलेक्शन- 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' प्रस्तुत किया है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच-फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स फैशन से प्रेरित हाई-एंड इमल्शन (सजावटी पेंट) की पेशकश है जो आपके घर के वातावरण को फिर से ताजा करके इसे सुंदर, स्टाइलिश एवं 'सिंपली यू' बनाएगा। इस बारे जानकारी देते हुए निदेशक-विक्रय एवं विपणन सजावटी पेंट्स, एक्जोनोबल इंडिया राजीव राजगोपाल ने बताया, ''पिछले तीन दशकों से, ड्यूलक्स वेल्वेट टच भारत का अग्रणी इमल्शन ब्रांड बनकर उभरा है और होम डेकोर के क्षेत्र में इसने अलग जगह बनायी है। 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' ब्रांड पोजिशनिंग से कहीं बढकर है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच के ब्रांड एम्बेसडर व अभिनेता, निर्देशक, गायक फरहान अख्तर और प्रमुख फैशन डिजाइनर मनीष मलहोत्रा के मुताबिक, ''उनके लिए फैशन कार और कपड़ों से कहीं ज्यादा है। यह उस घर के विषय में भी हो सकता है, जिसमें हम रहते हैं और ड्यूलक्स पिछले कई वर्षों से अपनी वेल्वेट टच श्रृंखला के साथ घरों और उसमें रहने वाले लोगों को उनकी रचनात्मकता प्रस्तुत करने और स्टाइलिश बनने का माध्यम उपलब्ध करा रहा है। यह प्रमुख कारणों में से एक है कि उन्होंने ड्यूलक्स वेल्वेट टच का चयन किया ।

ऐसे बनता है सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व

महिलाएं अपने सौंदर्य को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। लेकिन सौंदर्य सिर्फ त्वचा की देखभाल तक ही सीमित नहीं है। आचरण, आदतें और व्यवहार भी सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व के लिए जरूरी हैं। कुछ आदतें जो किसी महिला की छवि गलत बनाती हैं वह इस प्रकार हैं-

- सभ्य, सुसंस्कृत, फैशनेबल दिखने वाली स्त्री जिसका मुख खुलते ही बाह्य आवरण उड़ जाए यानी उसका गलत उच्चारण हो, गंदे और मैले दांत हों।
- खाते-पीते समय मुख की आकृति बेकाबू रहती हो।
- हंसने-मुस्कुराने के अंदाज का अभाव हो।
- बन-बनकर इठलाती-इतराती बोलती हो।
- व्यवहार में शिष्टाचार का अभाव हो। मौके-बेमौके सार्वजनिक स्थलों पर भी व्यवहार व बातचीत के तौर-तरीकों का अभाव हो।
- चपर-चपर कर खाती हो।
- शारीरिक अंग-प्रत्यंगों का संतुलन खोकर उच्छृंखल कदमों की बेताल चाल चलने वाली हो।
- वस्त्रों का सुरुचिपूर्ण चुनाव तथा पहनने-ओढ़ने की कला का अभाव हो।
- मौसम, आयु व अवसर के प्रतिकूल पहनावा हो।
- चेहरे पर उम्र की मार को नकारते हुए बालों को डाई किया हुआ हो।
- खूबसूरत साड़ी में बेजोड़ ब्लाउज को छिपाने का व्यर्थ प्रयास किया गया हो।
- किसी पार्टी में सबसे आगे भीड़ में घुसकर खाना ले रही हों।
- हाथ नचाकर या ताली पीटकर या किसी के कंधे या हाथ पर मारकर बातें कर रही हो।
- बातों में छिछोरे शब्दों का प्रयोग या गाली-गलौज से बातें करने वाली हो।
- ब्लाउज में हुक के स्थान पर पिन का प्रयोग या कंधे पर ढीले ब्लाउज से झांकता ब्रा का स्ट्रैप हो।
- मोटी थुलथुल कमर पर ऊंचा सा ब्लाउज तथा नाभिदर्शना साड़ी पहने हो।
- मोटी-मोटी बांहों पर स्लीवलेस ब्लाउज पहनकर सबके सामने बांहें उठाकर बैठी हो।
- कुर्सी पर एक टांग दूसरी पर रखकर ऐसे बैठी हो कि खुली टांगें भद्दी दिखें।
- जल्दी-जल्दी में लिपिस्टिक पोतने के प्रयासों में दांतों पर दाग लग गया हो।
- सांवले रंग पर बेमेल चटख रंगों के कपड़ों का चुनाव किया गया हो।
- ढलती उम्र में बहुत पतली नुची-खुची भवें रखी गई हों या झुर्रीदार आंखों पर मेकअप या प्रौढ़ावस्था में हैवी मेकअप हो।
- लम्बे नाखून मगर शेप रहित व गंदे मैल भरे हों।
- पुरुषों के बीच बैठकर बेवजह आकर्षण का केन्द्र बनने की कोशिश हो।
- शॉपिंग के समय दुकानदार से बेवजह बहस कर रही हो।
- फैशन की अंधी दौड़ में बहकर चेहरे के शेप के प्रतिकूल सज्जा की हो।

अली खामेनेई की अपील, सभी मुस्लिम-बहुल जायोनी राज्य के साथ राजनीतिक संबंध तोड़े

तेलअवीव । इजराइल और हमास के बीच युद्ध के 40 दिन पूरे होने पर, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सभी मुस्लिम-बहुल देशों से एक अपील जारी की, जिसमें उन्हें जायोनी राज्य के साथ राजनीतिक संबंध तोड़ने के लिए कहा गया। खामेनेई ने तेहरान में एक सैन्य प्रदर्शनी में भाग लेने के दौरान कहा कि इस्लामी सरकारों को कम से कम सीमित समय के लिए इजराइल से राजनीतिक संबंध खत्म कर देने चाहिए। खामेनेई ने उन इस्लामिक देशों की आलोचना की जो गाजा में उसकी सेनाओं द्वारा की गई कथित ज्यादतियों के लिए इजरायल की निंदा करने में विफल रहे हैं। खामेनेई के हवाले से कहा कि कुछ इस्लामी सरकारों ने विधानसभाओं में इजरायली अपराधों की निंदा की है जबकि कुछ ने नहीं। शीर्ष ईरानी नेता ने दोहराया कि इस्लामी सरकारों को इजराइल को अपने माल और ऊर्जा से काट देना चाहिए। खामेनेई की टिप्पणी ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के इजराइल पर व्यापक प्रतिबंधों के प्रस्ताव को अधिकांश इस्लामी देशों के बीच अपील नहीं मिलने के कुछ दिनों बाद आई है। रायसी ने यह प्रस्ताव 10 नवंबर को रियाद में इस्लामिक सहयोग संगठन और अरब लीग के संयुक्त शिखर सम्मेलन के दौरान रखा था। सऊदी अरब को मुस्लिम दुनिया का वास्तविक नेता माना जाता है। अपने पड़ोसी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ उन देशों में शामिल था, जिन्होंने इस्लामिक-अरब शिखर सम्मेलन में लाए गए एक और प्रस्ताव को अवरुद्ध किया था, जिसमें सभी संबंधों को खत्म करने की मांग की गई थी।

कार की चपेट में आने से 52 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत

ओहायो । अमेरिका के ओहायो राज्य में कार की चपेट में आने से 52 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि ब्रंसविक शहर के निवासी पीयूष पटेल जब एक सब स्टेशन मार्ग पर जा रहे थे तभी एक कार ने टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलने के बाद गश्ती अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। इस दुर्घटना में पटेल को काफी गंभीर चोटें आईं, इसकारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि जिस कार ने पटेल को टक्कर मारी उस कार को एक 25 वर्षीय युवक चला रहा था। बताया गया कि दुर्घटना की जांच की जा रही है और पुलिस ने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है।

70 फ़ीसदी युवा लैंडलाइन टेलीफोन उठाने से डरते हैं

टोक्यो। जापान के 20 से 30 साल के लगभग 70 फ़ीसदी युवा टेलीफोन फोबिया की बीमारी से पीड़ित है। एक सर्वे के दौरान यह जानकारी सामने आई।लैंडलाइन फोन की घंटी बजती है, और युवाओं को अज्ञात भय महसूस होने लगता है। लैंडलाइन मे फोन करने वाले का नाम नहीं आना भय का सबसे बड़ा कारण है। आईटी एवं मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार मोबाइल फोन का इस्तेमाल ज्यादा होता है। लैंडलाइन फोन से युवा दूर हो चुके हैं। जब भी लैंडलाइन फोन की घंटी बजती है। तब युवाओं को आशंका होती है कि कहीं वह गलत जवाब ना दे दे। मोबाइल पर जब फोन आता है, तो मोबाइल फोन करने वाले का नाम भी आता है।किस मकसद से फोन किया जा रहा है,फोन उठाने के पहले वह समझ जाता है।जापान में लैंडलाइन फोन एक बीमारी की तरह देखा जा रहा है।सर्वे में यह तथ्य उजागर हुआ है।

अमेरिका में हिंदू भक्ति काल का दौर, 6 साल में रिकॉर्ड 500 मंदिर बने

वाशिंगटन । अमेरिका में पिछले 6 साल में लगभग 500 नए हिंदू मंदिर तैयार हुए हैं। अमेरिका के हर राज्य में लगभग एक दर्जन मंदिर हैं। अमेरिका के कई शहरों में भारतीय संस्कृति की पहचान देखने को मिलती है। जिस तरह से नए-नए मंदिर बनते जा रहे हैं। उसके बाद लगता है,कि अमेरिका में हिन्दू भक्ति काल का नया दौर शुरू हो गया है।अमेरिका में भारतवंशियों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा 120 मंदिर हैं। न्यूयॉर्क में फ्लोरिडा में 60 और जार्जिया में 30 मंदिर हैं।पिछले 6 वर्षों में अमेरिका में मंदिर का निर्माण करने में तेजी आई है। 2006 तक अमेरिका में कुल 58 मंदिर थे।

न्यूजर्सी में सबसे बड़ा मंदिर बना हुआ है। जो 183 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी लागत 800 करोड रुपए आई है।इस मंदिर निर्माण के लिए भारत, ग्रीस, बुल्गारिया, इटली और तुर्की से निर्माण सामग्री मंगाकर इस मंदिर का निर्माण कराया गया है। मंदिर निर्माण के लिए भारतवंशी दिल खोलकर दान कर रहे हैं। रियल स्टेट के कारोबारी रक्षित शाह ने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए 8 करोड रुपए का दान दिया है।इसी तरह मंदिर निर्माण के लिए दान देने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ अमेरिका में बढ़ रही है। न्यूयॉर्क में गणेश मंदिर के कारण एक स्ट्रीट का नाम ही गणेश टेंपल स्ट्रीट रखा गया है। पहले इसका नाम ब्राउनी स्ट्रीट था।

सड़कों के बीच की खुली जगह में केले की खेती

टोक्यो। जापान में एक व्यक्ति ने सड़क के बीच की खाली जगह पर पिछले 2 साल से केले की खेती करना शुरू कर दी है।सड़क पर लगे केले के पेड़ अब बड़े हो गए हैं। जिसके कारण वाहन चालकों को परेशानी भी हो रही है। अवैध रूप से के द्यले के पेड़ लगाने के आरोप में इस व्यक्ति को 1 साल की सजा भी हो सकती है। जापान के नियमों के अनुसार 2।80 लाख रुपए का जुर्माना भी लग सकता है। जापान के फुकुओका प्रीफेक्चर सेंट्रल वर्ज की जमीन पर पिछले 2 साल से केले की खेती कर रहा है।अभी तक इसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। किसी ने इसकी शिकायत भी नहीं की।पर्यावरण और उत्पादन की दृष्टि से यह एक नया प्रयोग भी है।

चीन के धुर विरोधी दक्षिणपंथी नेता माइली ने जीता अर्जेंटीना में राष्ट्रपति चुनाव

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना के दक्षिणपंथी नेता जेवियर माइली ने देश का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। अर्जेंटीना की जनता ने तीन अंकों की मुद्रास्फीति, बढ़ती मंदी और बढ़ती गरीबी से जूझ रही अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए कट्टरपंथी विचारों वाले एक बाहरी व्यक्ति पर पासा फेंका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक माइली को लगभग 56 प्रतिशत, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सर्जियो मस्सा को 44 प्रतिशत से कुछ अधिक वोट मिले हैं। बता दें कि अर्जेंटीना इनदिनों आर्थिक संकट से जूझ रहा है। जेवियर ने इस चुनाव में लोगों को आर्थिक समस्याओं से छुटकारा दिलाने के लिए कई वादे किए हैं, इसमें अर्जेंटीना के केंद्रीय बैंक को खत्म करके नई व्यवस्था लागू करना भी शामिल है। बता दें कि जेवियर माइली को चीन विरोधी समझा जाता है। वह चीन के अलावा ब्राजील की भी खूब आलोचना करते हैं। जेवियर ने कई बार दोहराया है कि वह किसी भी कम्युनिस्ट देश के साथ कोई सौदा नहीं करने वाले हैं। हालांकि उनके चुनाव जीतने के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लूला सिल्वा ने उन्हें बधाई दी है। इधर सर्जियो मस्सा ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और जेवियर को देश का अगला राष्ट्रपति बनने के लिए बधाई दी है। माइली अपने अलग अंदाज के लिए भी काफी लोकप्रिय रहे हैं। उन्हें अक्सर रैलियों में एक आरी के साथ देखा जाता था। उनका अपने साथ आरी लाने को उनके कटौती के वादों के प्रतीक के तौर पर माना जाता था।

घर में गोलीबारी से दो लोगों की मौत और तीन घायल

वाशिंगटन । अमेरिका के दक्षिण मध्य राज्य ओकलाहोमा में रविवार को सुबह एक घर में हुई गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार यहां एक सभा के दौरान हुई बहस के बाद गोली चलने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। तुलसा पुलिस ने बताया कि देर रात करीब दो बजे अधिकारियों को इस घटना की सूचना मिली। हालांकि, पुलिस ने अभी यह जानकारी साझा नहीं की है कि कितने लोगों ने गोलीबारी की या किसी संदिग्ध की पहचान की गई है या नहीं। साथ ही, गिरफ्तारी को लेकर भी कुछ नहीं बताया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ितों में से एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य को गंभीर चोटों के कारण अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना के समय घर के पिछले कमरे में चार छोटे बच्चे भी मौजूद थे, लेकिन वे सभी सुरक्षित हैं।

लोग दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा शहर में भोजन राहत की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

पीटीआई छोड़ आईपीपी मे पहुंचे अवान, सजायाफ्ता पूर्व पीएम इमरान को लगा झटका

लाहौर । तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी नेता अली नवाज अवान द्वारा पीटीआई छोड़कर इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) की सदस्यता ग्रहण करने से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को एक और झटका लगा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में अगले साल 8 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। आईपीपी ने एक बयान में पूर्व फेडरल मंत्री अली नवाज के पार्टी में शामिल होने को बड़ी सफलता बताया। इस बीच, एक अन्य पीटीआई नेता और पूर्व प्रांतीय मंत्री सरदार आसिफ नाकाई ने भी जहांगीर तरीन और अलीम खान के साथ मुलाकात करने के बाद इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी में शामिल होने की घोषणा की है। बता दें कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पाकिस्तान चुनाव आयोग ने देश में आम चुनाव 8 फरवरी, 2024 को कराने की घोषणा की है। चुनावी घोषणा के बाद से ही पाकिस्तान में नेताओं का पार्टी बदलने का सिलसिला शरू हो गया है। वहीं, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ ने हाल ही में बलूचिस्तान के क्वेटा का दौरा किया, जहां वह चुनाव से पहले 30 से अधिक नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने के लिए मनाने में सफल रहे। बता दें कि अलीम खान और जहांगीर तरीन पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान के करीबी रहे हैं। दोनों नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ मतभेद होने के बाद इसी साल 8 जून को इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी की स्थापना की है। पार्टी बनने के बाद से फैयाज उल हसन चौहान, फिरदौस आशिक अवान, मुराद रास और गुलाम सरवर खान सहित कई पीटीआई नेता आईपीपी में शामिल हो गए हैं।

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल शिफा के नीचे मिली 55 मीटर लंबी सुरंग

-विदेशी बंधकों का वीडियो भी किया शेयर

गाजा (एजेंसी)। इजराइल ने गाजा पट्टी के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा को अपने अड्डे के रूप में इस्तेमाल करने वाले हमास आतंकवादियों के अपने दावों को तेज करते हुए कहा है कि साइट पर एक बंदी सैनिक को मार डाला गया था और दो विदेशी बंधकों को रखा गया था। एक्स पर जारी एक वीडियो में इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि दो बंधकों एक नेपाली और एक थाई नागरिक को हमास द्वारा 7 अक्टूबर के हमले के दौरान इज़राइल से अपहरण कर लिया गया था और अल-शिफा अस्पताल ले जाया गया था। आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में कहा कि बंधकों में से एक घायल है और उसे अस्पताल के बिस्तर पर ले जाया जा रहा है और दूसरा चल रहा है।

इज़राइल ने कहा कि निगरानी कैमरे के फुटेज से

पता चला है कि हमास के आतंकवादियों ने अस्पताल को आतंकवादी बुनियादी ढांचे के रूप में इस्तेमाल किया। एक अन्य वीडियो में इज़राइल ने कहा कि उसकी सेना ने खुफिया-आधारित ऑपरेशन के दौरान अल-शिफा अस्पताल परिसर के 10 मीटर नीचे 55 मीटर लंबी सुरंग की खोज की। एक्स के पोस्ट में आईडीएफ ने कहा कि सुरंग की खोज उनके दावे के सबूत के रूप में काम करती है कि हमास गाजा निवासियों और अस्पताल के मरीजों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मिस्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में स्थानांतरित होने से पहले कम से कम 30 समय से पहले जन्मे बच्चों को निकालने के लिए रविवार को अल-शिफा अस्पताल में एक टीम भेजी। इस बीच, गंभीर घावों और अन्य जरूरी स्थितियों वाले 250 से अधिक मरीज कथित तौर पर अस्पताल परिसर में फंसे रहे। हमास ने अल-शिफा अस्पताल के नीचे सुरंग मिलने के इजराइल के बयान को खारिज करते हुए इसे शुद्ध झूठ बताया।

हमास को हराने में फेल रहा इजरायल, ईरान के नेता खामनेई ने किया दावा

इज़राइल और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच युद्ध के 40 दिन पूरे होने पर, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने 19 नवंबर को सभी मुस्लिम-बहुल देशों से एक अपील जारी की, जिसमें उन्हें ज़ायोनी राज्य के साथ राजनीतिक संबंध तोड़ने के लिए कहा गया। खामेनेई ने 19 नवंबर को तेहरान में एक सैन्य प्रदर्शनी में भाग लेने के दौरान कहा कि इस्लामी सरकारों को कम से कम सीमित समय के लिए इज़राइल से राजनीतिक संबंध खत्म कर देने चाहिए। खामेनेई ने उन इस्लामिक देशों की भी आलोचना की जो गाजा में उसकी सेनाओं द्वारा की गई कथित ज्यादतियों के लिए इजरायल की निंदा करने में विफल रहे हैं। सरकारी मीडिया ने खामेनेई के हवाले से कहा कि कुछ इस्लामी सरकारों ने विधानसभाओं में इजरायली अपराधों की निंदा की है जबकि कुछ ने नहीं। यह अस्वीकार्य है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष ईरानी नेता ने यह भी दोहराया कि इस्लामी सरकारों को इज़राइल को अपने माल और ऊर्जा से काट देना चाहिए। खामेनेई की टिप्पणी ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के इज़राइल पर व्यापक प्रतिबंधों के प्रस्ताव को अधिकांश इस्लामी देशों के बीच अपील नहीं मिलने के कुछ दिनों बाद आई है। रायसी ने यह प्रस्ताव 10 नवंबर को रियाद में इस्लामिक सहयोग संगठन और अरब लीग के संयुक्त शिखर सम्मेलन के दौरान रखा था। सऊदी अरब को मुस्लिम दुनिया का वास्तविक नेता माना जाता है। अपने पड़ोसी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ उन देशों में शामिल था, जिन्होंने इस्लामिक-अरब शिखर सम्मेलन में लाए गए एक और प्रस्ताव को अवरुद्ध कर दिया था, जिसमें सभी संबंधों को खत्म करने की मांग की गई थी।

हूती ने भारत आ रहे जहाज को किया हाइजैक

-इजराइल ने कहा यह ईरान का आतंकी काम

वाशिंगटन (एजेंसी)। येरूसलम,(ईएमएस)। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है, इसी बीच खबर आई है कि हूती समूह ने भारत आ रहे एक जहाज को हाईजैक कर लिया है। हूती ने एक बयान जारी कर कहा है, कि उसने दक्षिणी लाल सागर में एक इजराइली जहाज को जब्त किया है।

हूती समूह के प्रवक्ता का कहना था कि जिस इजराइली जहाज को जब्त किया गया है, उसके चालक दल के साथ इस्लामी सिद्धांतों और मूल्यों के आधार पर व्यवहार किया जा रहा है। गौरतलब है कि हूती, तेहरान का सहयोगी है और हाल ही में गाजा पट्टी में लड़ रहे फलस्तीनी हमास के साथ एकजुटता दिखाते हुए उसने इजराइल पर हमले भी किए थे। इस बीच जबकि इजरायल-हमास युद्ध लगातार जारी है और इजराइली सेना ने गाजा में प्रवेश कर हमास का खात्मा करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रही है। इसी बीच, यमन के हूती समूह ने भारत आ रहे जहाज को इजराइल का बताकर दक्षिणी लाल सागर में हाइजैक कर लिया है। दूसरी तरफ इजराइल का कहना है कि हूती द्वारा हाईजैक किया गया जहाज उनका नहीं है। इजराइल का कहना है कि यह जहाज असल में एक मालवाहक जहाज है जो कि ब्रिटिश स्वामित्व वाला और जापान द्वारा संचालित है। इसके साथ ही इजराइल ने जहाज हाईजैक किये जाने की घटना को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा बताया है और आरोप लगाया है कि यह ईरान का आतंकवादी कृत्य है।

इस पूरे मामले में हूती समूह ने रविवार को बयान जारी कर कहा था कि इजराइली कंपनियों के स्वामित्व वाले या उनके द्वारा संचालित या उनके ध्वज वाले जहाजों को निशाना बनाया जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी अधिकारी ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिका स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

यूरोप का पहला धूम्रपान मुक्त देश बनने जा रहा स्वीडन

स्टॉकहोल्म (एजेंसी)। स्वीडन जल्दी ही यूरोप का पहला धूम्रपान मुक्त देश बनने जा रहा है और इसकी वजह एक ऐस तंबाकू उत्पाद है जिससे धूम्रपान नहीं होता है। जहां एक तरफ स्नस नाम के इस उत्पाद को स्वीडन की संस्कृति से जोड़ा जाता है तो कई लोगों का मानना है कि धूम्रपान छोड़ने में उन्हें स्नस से मदद मिली है। स्नस एक तरह का नम सुंघनी होती जो होठों पर लगाई जाती है। यह स्वीडन में इतनी लोकप्रिय है कि यहां हर सात में से एक व्यक्ति इसका उपयोग करता है। यहां की सरकार के मुताबिक स्नस की ही वजह से धूम्रपान करने वालों की संख्या 2005 में स्वीडन की जनसंख्या 15वां फीसदी से पिछले साल 5.2 फीसदी तक आ गई है जो कि यूरोप में सबसे कम का रिकॉर्ड है। कोई देश तब धूम्रपान मुक्त माना जाता है जब वहां की जनसंख्या में रोजाना धूम्रपान करने वालों की संख्या पांच फीसदी से भी कम हो जाती हो। स्वीडन में यह सब स्नस की वजह से हो रहा है माना जाता रहा है। हैरानी की बात यह है कि स्नस पर यूरोपीय संघ ने 1992 से ही बैन लगा रखा है जबकि इसके तीन साल बाद इसी रियायत के साथ ही स्वीडन यूरोपीय संघ का सदस्य बना था। स्वीडन के पश्चिम में स्थित गोटनबर्ग शहर की स्वीडिश मैच फेक्ट्री में जटिल मशीनों के जरिए हजारों की संख्या मेंस्नस के सैशे बनते हैं। 2021 में कंपनी ने स्वीडन और नॉर्वे में 27.7 लाख बॉक्स बेचे थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की प्रवक्ता ने पैट्रिक हिल्डिंगसन ने बताया कि स्नस स्वीडन में 200 सालों से इस्तेमाल की जा रही है। हिल्डिंगसन का कहना है कि सन्स स्वीडन की संस्कृति का हिस्सा जैसे कि यूरोप के कई देशों में वाइन संस्कृति का हिस्सा है। स्नस के लिए तंबाकू भारत या अमेरिका से आती है।

हमारी सेना आएगी...सियोल ने उत्तर कोरिया को जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण रोकने की दी चेतावनी

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया को अपने नियोजित जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण के साथ आगे नहीं बढ़ने की चेतावनी दी, सोमवार को सुझाव दिया कि सियोल एक अंतर-कोरियाई शांति समझौते को निलंबित कर सकता है और प्रक्षेपण के प्रतिशोध में फ्रंटलाइन हवाई निगरानी फिर से शुरू कर सकता है। उत्तर कोरिया इस साल की शुरुआत में एक सैन्य जासूसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने के अपने पहले दो प्रयासों में विफल रहा और अक्टूबर में तीसरा प्रयास करने की प्रतिज्ञा का पालन नहीं किया। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने कहा कि देरी की संभावना इसलिए है क्योंकि उत्तर कोरिया को रूसी तकनीकी सहायता मिल रही है और उत्तर कोरिया आने वाले दिनों में एक प्रक्षेपण कर सकता है।

दक्षिण कोरिया के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी कांग होपिल ने उत्तर कोरिया से अपने तीसरे प्रक्षेपण प्रयास को तुरंत रद्द करने का आग्रह किया। कांग ने एक

टेलीविजन बयान में कहा कि अगर उत्तर कोरिया हमारी चेतावनी के बावजूद सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण को आगे बढ़ाता है, तो हमारी सेना लोगों के जीवन और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक उपाय करेगी। दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्री शिन वॉनसिक ने रविवार को सार्वजनिक प्रसारक केबीएस के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि प्रक्षेपण इस महीने के अंत में होने की उम्मीद है और दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी अधिकारी उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद उत्तर कोरिया द्वारा किसी भी उपग्रह प्रक्षेपण पर प्रतिबंध लगाती है क्योंकि वह इसे अपनी मिसाइल प्रौद्योगिकी के प्रच्छन्न परीक्षण के रूप में देखती है। कांग ने कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया की निगरानी में सुधार के लिए एक जासूसी उपग्रह की जरूरत है, लेकिन इसके प्रक्षेपण का उद्देश्य उसके लंबी दूरी के मिसाइल कार्यक्रम को बढ़ावा देना भी है। दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया पर यूक्रेन में रूस के युद्ध का समर्थन करने के लिए पारंपरिक हथियारों की आपूर्ति के बदले में अपनी परमाणु और अन्य सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रूसी तकनीक प्राप्त करने का आरोप लगाया है। मॉस्को और प्योंगयांग दोनों ने कथित हथियार हस्तांतरण सौदे को आधारहीन बताकर खारिज कर दिया है, लेकिन दोनों देश संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अलग-अलग, लंबे समय तक सुरक्षा तनाव में बंद खुले तौर पर द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने पर जोर दे रहे हैं।

भारत का मोस्ट वांटेड आतंकी बनेगा पाकिस्तान का प्रधानमंत्री? इस बार होने वाले चुनाव में ठोक रहा ताल

लाहौर (एजेंसी)। आतंकी और लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद साल 2024 में होने वाले पाकिस्तान के आम चुनाव में हिस्सा लेने का फैसला किया है। इसके अलावा उसने इसकी तैयारियां भी जोरों से शुरू कर दी है। बता दें कि तल्हा सईद को भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित कर दिया है। तल्हा यह चुनाव अल्लाह अकबर तहरीक पार्टी से लड़ेगा। कुख्यात आतंकवादी और कथित पाकिस्तानी जेलर हाफिज सईद के बेटे तल्हा ने अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान में होने वाले चुनाव की कमान संभाल ली है। दिलचस्प बात यह है कि चूंकि हाफिज सईद कथित तौर पर जेल में है, इसलिए आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की कमान भी उसके पास है।

हाफ़िज़ सईद के जीवनकाल में भी वह लश्कर में नंबर दो पर था। तल्हा का नाम कई आतंकी गतिविधियों में सामने आ चुका है और वह काफी समय से अपने आतंकी संगठन के लिए फंड जुटाने का काम कर रहा है। बता दें कि इससे पहले 2018 में हाफिज सईद के दामाद ने चुनाव लड़ा था। हालांकि, तल्हा सईद पहली बार चुनाव नहीं लड़ रहा है। इससे पहले 2018 में उसने अपने पिता के गृहनगर सरगोधा से चुनाव लड़ा था। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने नेशनल असेंबली सीट 91 (सरगोधा-IV) और नेशनल असेंबली सीट 133 (लाहौर) के लिए हाफिज तल्हा सईद (बेटे) और हाफिज खालिद वलीद (दामाद) के कागजात स्वीकार कर लिए हैं। इस चुनाव में तल्हा सईद 11000 वोटों से हार गये थे. इसके अलावा हाफिज के दामाद भी चुनाव हार गए. उस समय इस पार्टी ने कुल 50 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे।

तल्हा ने पाकिस्तान चुनाव आयोग को जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक उसका नाम तल्हा सईद उर्फ हाफिज तल्हा सईद है. बता दें कि हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को भारत साल 2022 में आतंकवादी घोषित कर दिया और उन पर आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करने और भारत में कई आतंकवादी घटनाओं में शामिल होने का आरोप लगाया।

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत : मप्र चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

भोपाल। पुलिस ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान एक कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत की घटना के संबंध में छतरपुर से कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ हत्या के प्रयास के आरोप में मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान शुक्रवार को छतरपुर जिले के राजनगर निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के दौरान सलमान खान नाम के कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, खान को एक वाहन ने कुचल दिया था। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया था कि खान की मौत दुर्घटना में नहीं हुई, बल्कि यह एक हत्या है। घटना के बाद खजुराहो पुलिस ने 17 नवंबर को राजनगर के भाजपा उम्मीदवार अरविंद पटेरिया और पार्टी के 20 अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया। भाजपा ने पुलिस पर कांग्रेस के प्रभाव में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया था। अधिकारी ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नीरव चतुर्वेदी की शिकायत के बाद पुलिस ने रविवार रात कांग्रेस उम्मीदवार विक्रम सिंह नाती राजा और आठ अन्य लोगों के साथ-साथ कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ भादसं की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 341 (गलत तरीके से रोकना), 147 (दंगा), 149 (गैरकानूनी रूप से जमा होना), 294 (अश्लील कृत्य), 506 (आपराधिक धमकी) और 427 (नुकसान पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की। प्राथमिकी के मुताबिक, विक्रम सिंह और उनके समर्थकों ने पटेरिया पर लाठियों से हमला किया और उन पर गोली भी चलाई, लेकिन निशाना चूक गया। पुलिस अधीक्षक अमित संघ ने कहा कि घटना के संबंध में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की वैज्ञानिक जांच की जाएगी और तथ्यों के आधार पर आगे कदम उठाये जाएंगे।

टीम इंडिया की हार से फैंस इतने नाराज हुए कि दुकान से टीवी उठाकर ही तोड़ दिए

झांसी । 19 नवंबर का दिन भारतीय क्रिकेट टीम और फैन्स के लिए बेहद निराशाजनक रहा। जैसे की मैच खत्म हुआ, भारतीयों का दिल ही टूट गया। इसी दौरान यूपी के झांसी में तो कुछ युवकों ने गुस्से में दुकान से टीवी उठाए और उन्हें बाहर लाकर पटक दिया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। उनका कहना है कि भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने हमारा दिल तोड़ा है। उनके कारण ही वर्ल्ड कप हारे हैं। बता दें कि मैच हारने के बाद इस तरह टीवी तोड़ने की खबरें अक्सर पाकिस्तान से देखने और सुनने को मिलती थीं। लेकिन इस बार भारत से भी ऐसी ही खबर सामने आई है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे कुछ युवक एक टीवी की दुकान पर खड़े होकर मैच देख रहे हैं। जैसे ही ऑस्ट्रेलिया ने मैच जीता दो युवकों ने दुकान में रखे टीवी उठाए और बाहर जाकर उन्हें पटक दिया। इस दौरान दुकानदार बार-बार उन्हें कहता भी रहा कि ऐसा मत करो। लेकिन दोनों ने किसी की न सुनी। मैच देखने वाले लड़के गुस्से में कहने लगे कि भारतीय टीम की वजह से हम मैच हारे हैं। इस मैच में कंगारू टीम कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। इसके बाद पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम डगमगाती नजर आई। मैच के दौरान रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम 240 रन ही बना सकी। इस बीच केएल राहुल ने 107 गेंदों पर 66 और विराट कोहली ने 63 गेंदों पर 54 रनों की धीमी पारी खेली, लेकिन टीम को संभाला। कप्तान रोहित शर्मा ने 31 गेंदों पर 47 रन बनाए थे। जबकि, सूर्यकुमार यादव 28 गेंदों पर 18 रन ही बना सके। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट लिए। जबकि पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने 2-2 सफलता हासिल की। वहीं 241 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 4 विकेट गंवाकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया। मैच में ट्रेविस हेड ने 137 रनों की मैच विनिंग शतकीय पारी खेली।

वायु गुणवत्ता में सुधार, लेकिन सावधानी की जरूरत : गोपाल राय

नई दिल्ली । पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने हवा की गुणवत्ता में सुधार के बाद दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) - 4 के तहत प्रतिबंध हटाए जाने के एक दिन बाद, रविवार को लोगों से चरण 1, 2 और चरणों के नियमों का पालन जारी रखने का आग्रह किया। बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए जीआरएपी के 3 अभी भी लागू हैं। गोपाल राय ने कहा, हालांकि हवा की गुणवत्ता में लगातार सुधार हो रहा है, लेकिन इस सुधार को बनाए रखने के लिए लोगों को अभी भी जागरूक होने की जरूरत है। सोमवार को एक्यूआई 290 तक पहुंचने के मद्देनजर उन्होंने दिल्ली और उत्तर भारत के लोगों से अनुरोध ?किया ?कि हालांकि प्रदूषण में सुधार हुआ है, लेकिन हमें सावधान रहने की जरूरत है। दिवाली से पहले, वायु गुणवत्ता सूचकांक 215 तक पहुंच गया था, लेकिन इसके बाद हुई लापरवाही के कारण दिवाली के बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक में वृद्धि हुई। दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार के साथ, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को जीआरएपी 4 के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को रद्द कर दिया, जिसमें बीएस-3 और बीएस-4 पेट्रोल और डीजल वाहनों को छोड़कर ट्रकों और बसों को प्रवेश की अनुमति दी गई। गोपाल राय ने इस बात पर जोर दिया कि जीआरएपी 1, जीआरएपी 2 और जीआरएपी 3 के तीनों चरण अभी भी दिल्ली में लागू होने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि एक बार प्रदूषण के स्तर में और सुधार होने पर इन प्रतिबंधों को वापस लेने पर भी विचार किया जाएगा। वाहनों से संबंधित प्रतिबंधों के बारे में बोलते हुए, गोपाल राय ने कहा, ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध हटा दिया गया है लेकिन बीएस 3 पेट्रोल वाहनों और बीएस 4 डीजल वाहनों पर प्रतिबंध अभी भी लागू है। इसलिए प्रतिबंध केवल ट्रकों पर हटाया गया है या वे वाहन जो बीएस 4 से ऊपर हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज मार्ग, सड़क, फ्लाईओवर, फुट-ओवर ब्रिज और अन्य समान परियोजनाओं सहित रैखिक परियोजनाएं जिन्हें जीआरएपी 4 के तहत रोक दिया गया था, उन्हें अब अपना काम फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई है।

देश में फिर होगा मंहगा तलाक...गौतम सिंघानिया पत्नी को देंगे 8745 करोड़ रुपये

मुंबई । देश के अरबपति उद्योगपति गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया ने फैमिली सेटलमेंट के तहत अपनी दो बेटियों निहारिका और निसा और खुद के लिए उनकी कथित तौर पर 1.4 बिलियन की कुल संपत्ति का 75 प्रतिशत मांगा है। यानी 11,660 करोड़ की संपत्ति में से उनकी पत्नी ने 8745 करोड़ रुपये मांगे हैं। मामले से जुड़े हुए एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि सिंघानिया इस डिमांड से काफी हद तक सहमत हो गए हैं, लेकिन उन्होंने एक फैमिली ट्रस्ट स्थापित करने और परिवार की संपत्ति को उसमें ट्रांसफर करने का सुझाव दिया है, जहां वह एकमात्र प्रबंध ट्रस्टी हो। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि सिंघानिया की मृत्यु पर, उनके परिवार के सदस्यों को उनके बाद संपत्ति की वसीयत करने की अनुमति दी जाएगी। लेकिन, माना जा रहा है कि यह शर्त पत्नी को मंजूर नहीं है। रेमंड ग्रुप में पहले से ही कई ट्रस्ट बने हुए हैं। इनमें जे.के. ट्रस्ट और सुनीति देवी सिंघानिया हॉस्पिटल ट्रस्ट शामिल हैं, इनके पास रेमंड लिमिटेड में 1.04 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, गौतम इन ट्रस्ट के चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी हैं, जबकि नवाज मोदी सिंघानिया भी इसमें एक ट्रस्टी हैं। खेतान एंड पार्टनर के एच. खेतान को इस मामले में गौतम सिंघानिया का लीगल एडवाइजर बनाया गया है। वहीं, मुंबई की रश्मि कांत, नवाज मोदी सिंघानिया की वकील बन सकती हैं। लीगल जानकार का कहना है कि सिंघानिया का फैमिली ट्रस्ट बनाकर अकेले चेयरमैन और ट्रस्टी बने रहना मुश्किल हो सकता है। सिंघानिया ने इस मामले पर कोई जवाब नहीं दिया। बता दें कि रेमंड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया ने 13 नवंबर को बयान जारी कर अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने का ऐलान किया था।

सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व

नई दिल्ली । उगते हुए सूर्य को सोमवार को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हुआ। इस दौरान 36 घंटे का निर्जला व्रत रख महिलाओं ने छठ मैया से परिवार एवं संतान की सुख समृद्धि की कामना की। लाखों की संख्या में व्रती महिलाओं ने जगह-जगह घाटों पर अपनी आस्था की उपस्थिति दर्ज करवाई। यह पर्व बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड राज्य में बड़े धूम-धाम के साथ मनाया गया। सोमवार को छठ पर्व का चौथा और आखिरी दिन था। छठ पूजा का व्रत घर की महिलाएं रखती हैं। यह व्रत छठी मैया और सूर्य भगवान को समर्पित होता है। मान्यता है कि छठी मैया निसंतान दांपतियों को संतान का वर्दान देती हैं और घर की सुख-समृद्धी का भी आशीर्वाद देती है। इस वजह से महिलाएं छठ पर्व का व्रत रखती है। जिससे उनकी संतान को दीर्घायु की प्राप्ति हो और जिनकी संतान नहीं हैं, उन विवाहित दंपतियों को संतान का सुख मिले।

मराठा आंदोलन बनाम ओबीसी आंदोलन: छगन भुजबल का बयान महाराष्ट्र में पैदा करेगा नई हलचल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ ओबीसी नेता छगन भुजबल द्वारा मराठों को चुनौती देने और ओबीसी वर्ग से आने वाले लोगों को उसी लहजे में जवाब देने के लिए कहने के कुछ दिनों बाद ओबीसी नेताओं की एकता में दरारें दिखाई देने लगीं। भले ही कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समुदायों के भीतर जानबूझकर तनाव पैदा करने और राज्य की शांति को भंग करने का आरोप लगाया है, पार्टी के दो ओबीसी नेताओं ने भुजबल के बयानों की निंदा की। विपक्ष के नेता और कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया और कहा कि वह उग्रवाद का समर्थन नहीं करते हैं।

वडेट्टीवार ने कहा कि किसी भी समुदाय को चरमपंथी पक्ष नहीं लेना चाहिए। अगर इस (भुजबल के बयान) बयान को गंभीरता से लिया गया और ग्रामीण स्तर पर समुदाय एक-दूसरे के खिलाफ भिड़ गए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्ष महाराष्ट्र को कभी भी समुदायों के भीतर इस तरह की दुश्मनी का सामना नहीं करना पड़ा। विदर्भ के एक अन्य पिछड़ा वर्ग के नेता, वडेट्टीवार ने पिछले सप्ताह जालना जिले के अंबाद में सार्वजनिक रैली में भाग लिया था, जहां भुजबल ने मराठा समुदाय की कुनबी (ओबीसी) प्रमाणपत्र प्राप्त करने की मांग का विरोध करते हुए राज्य भर के ओबीसी संगठनों की सभा में बात की थी।

वडेट्टीवार ने तब इस कदम का विरोध किया था और कहा था कि इस मुद्दे को हल करने का एकमात्र तरीका जाति जनगणना है। रैली के दौरान भुजबल ने कहा था, 'मुझे संदेश मिल रहे हैं कि हमारे बैनर फाड़े जा रहे हैं. क्या आपके हाथ बंधे हुए हैं? हमें उसी सिक्के से जवाब देना होगा. नेताओं के प्रवेश पर प्रतिबंध के बैनर लगे हैं? उन्हें कौन डालता है? क्या अब वे जमीन के मालिक हैं? मैं पुलिस प्रशासन को चेतावनी देना चाहता हूं कि उन बैनरों को तुरंत हटाया जाए. क्या शासन का कोई अस्तित्व है? क्या कानून का कोई शासन है?

चंद्रबाबू नायडू को स्किल डेवलपमेंट केस में बड़ी राहत, हाई कोर्ट से नियमित जमानत मिली

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को कौशल विकास निगम मामले में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को नियमित जमानत दे दी। 31 अक्टूबर को, उच्च न्यायालय ने नायडू को चिकित्सा आधार पर चार सप्ताह की अंतरिम जमानत दी, जो अब हैदराबाद में इलाज की मांग कर रहे हैं। 73 वर्षीय नायडू को 20014 से 2019 तक तेलुगु देशम पार्टी के शासन के दौरान एपी कौशल विकास निगम में एक घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए 9 सितंबर को आंध्र प्रदेश सीआईडी ने गिरफ्तार किया था। सीआईडी ने आरोप लगाया कि नायडू इस मामले में प्राथमिक आरोपी हैं, जिसमें कथित तौर पर 371 करोड़ रुपये की सरकारी धनराशि को मुखौटा कंपनियों को हस्तांतरित करना शामिल है। इस मामले में एफआईआर 9 दिसंबर, 2021 को दर्ज की गई थी। नायडू को उस समय हिरासत में लिया गया था जब वह नंद्याल दौरे पर थे और फिर पूछताछ के लिए विजयवाड़ा ले जाया गया था। उसके बाद उन्हें विजयवाड़ा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया और राजामहेंद्रवरम सेंट्रल जेल में बंद कर दिया। नायडू को अंतरिम जमानत देते समय अदालत ने जो शर्तें लगाईं, उनमें कोई भी राजनीतिक गतिविधि नहीं करना या राजनीतिक भाषण नहीं देना शामिल है, जो 28 नवंबर तक लागू रहेंगी। 29 नवंबर से वह राजनीतिक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

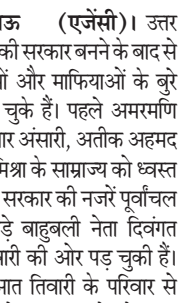

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल रवि की खिंचाई की, लंबित बिल पर तीन साल से क्या कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की खिंचाई की। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के बिलों को मंजूरी देने में देरी के खिलाफ राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि 'ये बिल 2020 से लंबित हैं, वह तीन साल से क्या कर रहे थे?' सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तब सामने आई है, जब राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य विधानसभा में उन दस विधेयकों पर विचार करने के लिए एक विशेष प्रस्ताव पेश किया था, जो पहले सदन द्वारा पारित किए गए थे लेकिन राज्यपाल रवि द्वारा लौटा दिए गए थे।

राज्यपाल रवि ने कहा कि, इन बिलों को पारित किया जाएगा और फिर से राज्यपाल रवि को भेजा जाएगा। सत्र के दौरान स्टालिन ने राज्यपाल पर बिल लौटाकर विधानसभा और राज्य के लोगों का 'अपमान' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल रवि ने बिना कोई कारण बताए बिल वापस

कर दिए हैं। कानून, कृषि और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न विभागों को कवर करने वाले विधेयकों को विधानसभा ने फिर से मंजूर कर दिया। इससे पहले 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने विधेयकों को मंजूरी देने में राज्यपाल रवि द्वारा की गई देरी को 'गंभीर चिंता का विषय' बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने राजभवन पर 12 कानूनों को दबाकर रखने का आरोप लगाने वाली राज्य सरकार की याचिका पर केंद्र सरकार से भी जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने मुद्दे को सुलझाने के लिए अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल की सहायता मांगी। केरल में राज्यपाल के साथ इसी तरह के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार केरल सरकार की एक याचिका पर भी सुनवाई की। इसमें राज्य के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर विधानसभा द्वारा पारित कई विधेयकों को मंजूरी नहीं देने का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में केंद्र और केरल के राज्यपाल के ऑफिस से जवाब मांगा।

इस मामले की अगली सुनवाई 24 नवंबर को होगी। केरल सरकार की ओर से पेश वेणुगोपाल ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्यपाल ने कुछ अहम विधेयकों पर अब तक फैसला नहीं किया है। राज्यपाल ने अब तक तीन विधेयकों पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि 7 से 23 महीने पहले विधानसभा द्वारा पास किए 8 विधेयक अभी भी लंबित हैं।

बीआरएस के खिलाफ मौन क्रांति चल रही, भाजपा सत्ता में आएगी : रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस के खिलाफ एक मौन क्रांति चल रही है और लोगों को विश्वास हो रहा है, कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की सरकार हारेगी और आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा सत्ता में आएगी। रेड्डी ने कहा कि कुछ गलत सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रसारित होने के बावजूद, भाजपा उम्मीदवारों को क्षेत्र में अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और लोग पार्टी के घोषणापत्र को सकारात्मक रूप से प्राप्त कर रहे हैं। यह आरोप लगाकर कि पूर्व एआईसीसी प्रमुख राहुल गांधी के निर्देशों के आधार पर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार लोगों पर तेलंगाना चुनाव कर लगा रही है, रेड्डी ने कहा कि राशि यहां भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी सबसे आगे है। यह बीआरएस पार्टी के खिलाफ एक मूक क्रांति की तरह है। लोग बीजेपी के अभियान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं। लोग स्वेच्छा से बीआरएस प्रचार वाहनों को अपने गांवों में जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता बीआरएस सरकार से खुश नहीं हैं, क्योंकि उन्हें दलित और बीसी बंधु जैसी योजनाएं नहीं मिल रही हैं और उनकी पंचायतें राज्य सरकार से फंड नहीं मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में 18 से 35 साल की उम्र के 60 से 70 फीसदी लोग पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में हैं।

मुख्तार, अतीक के बाद बाहुबली नेता दिवंगत तिवारी के परिवार पर योगी की डेढ़ी नजर

- ईडी ने परिवार की 72 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में योगी की सरकार बनने के बाद से ही बाहुबलियों और माफियाओं के बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। पहले अमरमणि त्रिपाठी, मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और विजय मिश्रा के साम्राज्य को ध्वस्त करने के बाद सरकार की नजरें पूर्वांचल के सबसे बड़े बाहुबली नेता दिवंगत हरिशंकर तिवारी की ओर पड़ चुकी हैं। इसकी शुरूआत तिवारी के परिवार से संबंधित करोड़ों की संपत्तियों को जब्त करने के साथ हुई है। ईडी ने बाहुबली नेता के बेटे विनय शंकर तिवारी पर शिकंजा कसते हुए उनके परिवार की 72 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की है। उनकी ये संपत्तियां लखनऊ, गोरखपुर और महराजगंज जिले में स्थित हैं। इस कार्रवाई को तिवारी परिवार पर गहरी चोट माना जा रहा है।

बाहुबली रहे हरिशंकर के बेटे विनय शंकर तिवारी गोरखपुर के चिल्लूपार विधानसभा सीट से विधायक रहे हैं। यूपी की राजनीति में उनके परिवार का लंबे समय तक दखल रहा है। एक वक्त था जब पूर्वांचल क्या पूरे देश में हरिशंकर की तूती बोलती थी। उनके बाहुबल और होशियारी की वजह से अपराध से लेकर राजनीति तक कोई कभी उन्हें शिकस्त नहीं दे सका। वीरेंद्र शाही से लेकर श्रीप्रकाश शुक्ला तक एक से बढ़कर एक माफिया और बाहुबली पैदा हुए, लेकिन उनके आगे कोई टिक नहीं पाया। यहां तक कि उनके परिवार के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद सीबीआई और ईडी भी उनके जीवित रहते कार्रवाई नहीं कर सकी। लेकिन निधन के बाद केंद्रीय एजेंसी ने पहली बार जोरदार झटका दिया है। पूर्व विधायक विनय शंकर और उनके परिवार के लोग गंगोत्री इंटरप्राइजेज लिमिटेड नामक कंपनी में डायरेक्टर, प्रमोटर और गारंटर की भूमिका में हैं। इस कंपनी पर कई बैंकों के करीब 1200 करोड़ रुपए हड़पने का आरोप है। बताया जा रहा है कि इस कंपनी के जरिए बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सात बैंकों के कंसोर्टियम से 1129.44 करोड़ रुपए की क्रेडिट सुविधाओं का लाभ लिया गया था। लेकिन पैसे लौटाए नहीं गए, जिसकी वजह से इन बैंकों को 754.24 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।

4 ट्रिलियन डॉलर की भारत की जीडीपी की खबर पूरी तरफ फर्जी : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 4 ट्रिलियन डॉलर की कमाई की। बीजेपी के कई नेताओं ने एक्स पर स्क्रीनशॉट साझा कर दावा किया कि भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। हालाँकि, यह दावा फर्जी साबित हुआ और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित कई मंत्रियों और अन्य को अपना ट्वीट हटाना पड़ा।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब पूरा देश विश्व कप 2023 का भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया फाइनल मैच देख रहा था। राजस्थान और तेलंगाना के वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री सहित मोदी सरकार के विभिन्न ढोल बजाने वाले, जैसे साथ ही पीएम के सबसे पसंदीदा बिजनेसमैन ने ट्वीट किया कि कल ही भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है।

भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र

शेखावत, तेलंगाना से जी किशन रेड्डी, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और व्यवसायी गौतम अडानी उन प्रमुख लोगों में से थे। रविवार को भारत के 4 ट्रिलियन जीडीपी के आंकड़े को पार करने के बारे में ट्वीट किया था। स्क्रीनशॉट झूठा साबित हुआ और मंत्रियों और बिजनेसमैन को अपने ट्वीट हटाने पड़े या डिलीट करने पड़े। यह पूरी तरह से फर्जी खबर थी, जिसका उद्देश्य अधिक उत्साह पैदा करना और चाटुकारिता और हेडलाइन प्रबंधन दोनों का एक दयनीय प्रयास था।

सरकार ने देश के साथ किया धोखा, अनुच्छेद 370 को लेकर भड़के उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली(एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कुलगाम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें कहा गया था कि कश्मीर में अगर बंदूकें हैं, तो अनुच्छेद 370 के कारण हैं। अगर कश्मीर में अलग सोच रखने वाले लोग हैं, तो सिर्फ धारा 370 के कारण हैं। अगर धारा 370 हटी तो बंदूकों से राहत मिलेगी और सब कुछ ठीक हो जाएगा। अभी एक हफ्ता भर भी नहीं हुआ है जब इस इलाके में मुठभेड़ हुई थी। 5 लोग मारे गए थे। सरकार ने कहा कि वे आतंकवादी थे। उनमें से 4 ने 2020 में और 5 ने 2021 में हथियार उठाए यह 2019 के बाद था।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कहने

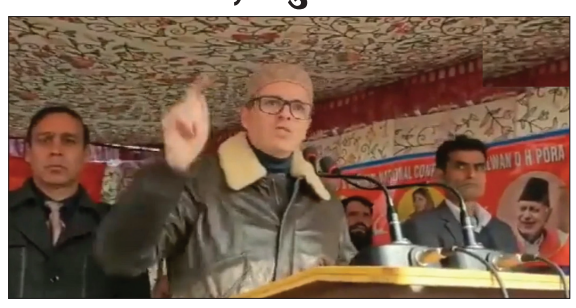

को तो आपने कहा कि 2019 के बाद वहां कोई बंदूक उठाने वाला नहीं होगा। सब संतुष्ट होंगे, सब खुश होंगे। अगर ये बात सही है तो ये 5 क्यों मर गए हैं। इन्होंने बंदूक उठाई थी। कहीं न कहीं इसमें आपकी नाकाबलियत है। कहीं न कहीं इसमें आपका धोखा है। अबदुल्ला ने कहा कि न केवल आपने जम्मू कश्मीर के लोगों को धोखा दिया आपने पूरे मुल्क के लोगों को धोखा दिया। मुल्क के लोगों को कहा गया था कि कश्मीर में बस अब अमन होगा। चैन होगी और यहां कोई मुश्किल ही नहीं होगा। हालात बिल्कुल सुधर जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

जम्मू-कश्मीर में 17 नवंबर को सुरक्षा बलों के साथ दो मुठभेड़ों में छह आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कश्मीर घाटी के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ रातभर चली मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के पांच आतंकवादी मारे गये। कुलगाम जिले में 18 घंटे तक चली मुठभेड़ खत्म होने के बाद कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद किए जा चुके हैं और इलाके में छानबीन की जा रही है।

भूकंप के झटकों से कांपे महाराष्ट्र सहित तीन राज्य

मुंबई । महाराष्ट्र के मराठवाड़ा स्थित हिंगोली जिले में सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सोमवार की सुबह 5 बजकर 9 मिनट पर आये इस भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले में धरती की सतह के 5 किलोमीटर नीचे रहा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई है भूकंप से अभी तक किसी भी तरह के जान माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। लेकिन इसके झटके तेलंगाना और कर्नाटक तक महसूस किये गये । भूकंप का केंद्र तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से 255 किलोमीटर और नागपुर से 265 किलोमीटर दूर पूर्वी महाराष्ट्र के हिंगोली जिला में बताया जा रहा है। इससे पहले 19 नवंबर की शाम शाम 6 बजकर 36 मिनट पर अरब सागर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 मापी गई थी।

सुरंग में फंसे मजदूरों की जिंदगी बचाने युद्ध स्तर पर चल रहा बचाव कार्य

-केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम धामी ने किया निरीक्षण

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों की जिंदगी बचाने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव एवं राहत कार्य किया जा रहा है। चार एजेंसियां अलग-अलग विकल्पों पर कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय बचाव और राहत अभियान पर नजर बनाए हुए है। यह जानकारी ध्वस्त हुई सुरंग का निरीक्षण करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री नितिन ने पत्रकारों को दी।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सिलक्यारा सुरंग में चल रहे राहत एवं बचाव कार्य का निरीक्षण करने सिलक्यारा पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ उत्तराखंड के मुख्य सचिव एस एस संधू भी थे। पत्रकारों से चर्चा कर रहे केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा, कि सुरंग में फंसी जिंदगियों को बचाने में हम सफल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिंता जाहिर की है। राज्य सरकार इस मामले में हमारी पूरी मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय सरकार की अनेक एजेंसियां इस कार्य में मदद कर रही हैं। निजी एजेंसियां भी इस कार्य में शामिल की गई हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी विशेषज्ञ भी बचाव और राहत कार्य के लिए संपर्क बनाए हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता सुरंग में फंसे लोगों की जिंदगी बचाना है।

गौरतलब है कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में एक निर्माणाधीन सुरंग के अंदरुनी हिस्से के ध्वस्त हो जाने के कारण सुरंग में 41 श्रमिक अंदर ही फंस गए हैं। मजदूरों को बचाने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। रविवार को रेस्क्यू ऑपरेशन का 8वां दिन था और इस बीच केंद्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री धामी भी घटना स्थल का जायजा लेने से लेकर राहत व बचाव कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पहाड़ी के ऊपर से एक वर्टिकल होल बनाने ड्रिलिंग की जा रही है। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए चार मोर्चों पर कार्य किया जा रहा है। प्रथम मोर्चे की जिम्मेदारी एसजेवीएनएल यानी सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड है, जो कि सुरंग के ऊपर 120 मीटर की 1 मीटर वर्टिकल सुरंग के लिए खुदाई करने का कार्य कर रहा है। द्वितीय मोर्चे पर नवयुग इंजीनियरिंग है जिस पर करीब 60 मीटर लंबाई की सुरंग खोदने की जिम्मेदारी है। तृतीय मोर्चे पर टीएचडीसी है जो कि विपरीत दिशा से लगभग 400 मीटर सुरंग की खुदाई करने का कार्य कर रही है। इसी प्रकार चौथे मोर्चे पर ओएनजीसी जो कि नीचे से हॉरिजोंटल ढंग से संभवतः सुरंग खोदने का कार्य करेंगे।

गौरतलब है कि बचाव कार्य में

एनएचआईडीसीएल यानी राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड, ओएनजीसी अर्थात तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम, एसजेवीएनएल यानी सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड, टीएचडीसी और आरवीएनएल अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इनके अतिरिक्त बीआरओ और भारतीय सेना की निर्माण शाखा भी बचाव एवं राहत अभियान में सहभागिता निभा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसडीबी (सूरत डायमंड बुर्स) के इन कार्यालयों में मंगलवार से हीरे का कारोबार शुरूहो जाएगा

दशहरे पर 983 कार्यालयों में कुंभ घड़े की स्थापना के बाद 135 व्यापारी बुर्स में हीरा व्यापार का विधिवत श्रीगणेश करेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत डायमंड बुर्स (एसडीबी)

सूरत ड्रीम सिटी में साकार हुआ सूरत डायमंड बुर्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। दुनिया भर के हीरा व्यापारियों की नजरें सूरत डायमंड बुर्स पर हैं। फिर अब सूरत डायमंड बुर्स अलग-अलग तरीकों से कारोबार शुरूकरने जा रहा है।

शानदार ढंग से डिजाइन किया गया प्रतिष्ठित सूरत डायमंड बुर्स में 21 नवंबर से 135 हीरा डीलरों द्वारा एकसाथ हीरे के व्यापार का श्री गणेश किया जायेगा।

26 हीरा व्यापारी स्थायी रूप से मुंबई से सूरत शिफ्ट हो जाएंगे

135 व्यापारियों में से 26 हीरा व्यापारी स्थायी रूप से मुंबई से सूरत शिफ्ट हो जाएंगे। ये व्यापारी मुंबई में अपने दफ्तर हमेशा के लिए बंद कर रहे हैं। वह अब अपना कारोबार सूरत से संचालित करेंगे।

बुर्स में एसबीआई बैंक की एक शाखा का उद्घाटन किया गया

सूरत डायमंड बुर्स में ट्रेडिंग शुरूहोने से पहले 20 नवंबर को एसबीआई द्वारा एक बैंक का उद्घाटन किया गया था। इस बैंक के खुलने से व्यापारी अपना वित्तीय लेनदेन आसानी से कर सकेंगे।

सूरत डायमंड बुर्स के चेयरमैन वल्लभ लाखानी, अध्यक्ष नागजी साकरिया और मीडिया कमेटी के संयोजक दिनेश नावडिया ने कहा, 'सूरत डायमंड बुर्स शुरूहोने जा रहा है, हीरे समेत अन्य व्यापार से जुड़े लोग भी सूरत डायमंड बुर्स शुरूहोने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब लोगों की उत्सुकता का अंत आयेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 दिसंबर को स्टॉक एक्सचेंज का औपचारिक उद्घाटन करेंगे

सूरत डायमंड बुर्स में मंगलवार, 21 नवंबर को औपचारिक रूप से कारोबार के लिए खुलेगा। इसके बाद 17 दिसंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डायमंड बुर्स का उद्घाटन करेंगे। दशहरे के दिन 983 कार्यालयों में कुंभघड़ा लगाया गया। इसके बाद पिछले 20 दिनों से हर दिन 20 से 25 दफ्तरों में कुंभघड़े लगाए जा रहे हैं।

एंबुलेंस में सवार होकर जुए के अड्डे पर छापे मारने का प्लान

नोट गिनने वाली मशीन सहित 5 को दबोचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस के पहुंचने से पहले सबकुछ ठीक हो जाता था, एसएमसी ने फिल्मी स्टाईल में छापा मारा

सूरत :सूरत के अमरोली इलाके में चल रहे एक जुए के अड्डे पर एसएमसी (स्टेट मॉनिटरिंग सेल) की टीम ने छापा मारा। राज्य निगरानी सेल की एक टीम ने सादी वर्दी पहनकर एम्बुलेंस में चिकित्सा कर्मचारियों के रूप में छापा मारा। अमरोली पुलिस को खुलेआम चलने वाले जुए के अड्डे की गंध नहीं मिलने से स्थानीय पुलिस की मिलीभगत की भी बात सामने आ रही है। स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने छापेमारी कर पांच आरोपियों को पकड़ लिया और 76 हजार से अधिक रुपये बरामद कर लिये।

जानकारी के मुताबिक, सूरत के अमरोली-कोसाड हाउसिंग में बिल्डिंग नंबर एच1 के पास पिछले कुछ समय से खुले में जुए का अड्डा चल रहा था। बताया जाता है कि जुए का अड्डा आसिफ और सोहेल नाम से चलाया जाता था। आवास पर खुले जुए के अड्डे पर रविवार की देर रात एसएमसी (स्टेट मॉनिटरिंग सेल) ने छापा मारा था। जिसमें ताश खेलने के लिए एक बिल्ली और एक मोबाइल फोन सहित बड़ी मात्रा में नकदी भी मिली।

राज्य निगरानी सेल की एक टीम ने अमरोली आवास पर बड़े पैमाने पर जुआ खेले जाने की सूचना मिलने के बाद छापा मारने का फैसला किया। जैसे ही कोई पुलिसकर्मी आवास में प्रवेश करता है, जुआरियों को इसकी जानकारी हो जाती है। चूंकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही सभी अवैध ठिकानों पर छापेमारी की जाती है, इसलिए कुछ मामलों में आरोपी बच निकलते हैं। इसलिए इस बार रेड के लिए स्टेट मॉनिटरिंग सेल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक नई तकनीक अपनाई। जिसके तहत स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने एम्बुलेंस में मेडिकल स्टाफ के रूप में आवास में प्रवेश किया और जुए के अड्डे पर छापा मारा। जिससे जुआरियों में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि आवास में आसिफ और सोहेल का जुए का अड्डा काफी समय से खुले में चल रहा था। हालांकि, स्थानीय पुलिस को इस बारे में कोई जानकारी या सूचना नहीं थी। उस समय स्थानीय पुलिस के सात कांठ में भी इस धंधे के होने की चर्चा रही थी। उस वक्त अमरोली पुलिस सोती रही और स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने ऐसे जुए पर जासूसी की. पुलिस ने यहां से पांच आरोपियों को पकड़ लिया। उसके पास से 76,000 से अधिक जब्त किए गए और तीन से चार अन्य को वांछित घोषित किया गया और आगे की जांच की गई।

नगर निगम के नौ जोन में विकास कार्यों पर 260 करोड़ रुपए खर्च किए गए,इसमें लिंबायत जोन सबसे प्रमुख रहा

विकास कार्यों में सबसे आगे लिंबायत जोन में 47.86 करोड़ खर्च हुए,जबकि सबसे कम वराछा जोन में 7.95 करोड़ खर्च हुए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम ने इस वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य किये हैं। सूरत नगर निगम ने वित्तीय वर्ष में अब तक 1700 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जो पिछले साल से एक हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। जिसमें सूरत में प्रतिष्ठित परियोजना को छोड़कर सूरत नगर निगम के नौ क्षेत्रों में 260 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

सूरत नगर निगम ने पिछले साल दिवाली से पहले 700 करोड़ के पूंजीगत काम किए थे। इस साल 1700 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। जिसमें नगर निगम के नौ जोन में 260 करोड़ के पूंजीगत कार्य कराए गए हैं। जिसमें सबसे ज्यादा लिंबायत जोन में 47.86 करोड़ खर्च हुए हैं। जबकि सबसे कम खर्च मनपा के वराछा जोन में 7.95 करोड़ दर्ज किया गया है।

दिवाली से पहले सूरत नगर निगम ने पूंजीगत व्यय में तोड़ा रिकॉर्ड। 1700 करोड़ से अधिक के पूंजीगत व्यय में से सबसे बड़ा खर्च हाइड्रोलिक जल उपचार और वितरण पर 378.87 करोड़ है। इसके अलावा तापी शुद्धीकरण परियोजना 224.55 करोड़ के खर्च के साथ दूसरे स्थान पर रही।

वहीं नगर निगम में ड्रेनेज विभाग की ओर से 156.96 करोड़ और अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट पर 142.18 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। सूरत नगर पालिका के स्पेशल सेल विभाग की ओर से 134.60 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। सूरत नगर निगम के सड़क विभाग द्वारा 115 करोड़, ब्रिज सेल के लिए 85.34 करोड़ और खजोद डिस्पोजल साइड को लंबवत स्थानांतरित करने के लिए 28.16 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

जन सुविधाओं और अन्य परियोजनाओं को छोड़कर जोन स्तर पर 260 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं।

इसके अलावा दिवाली से पहले मनपा के नौ जोन पर 259 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, जिसमें लिंबायत जोन ४७.८६ करोड़ रुपए खर्च कर सबसे आगे है। जबकि कतारगाम जोन में 47.56 करोड़, वराछा बी जोन में 46.19 करोड़, रांदेर जोन में 34.07 करोड़, उधना जोन में 28.62 करोड़, अठवा जोन में 26.14 करोड़, उधना बी (कनकपुर) जोन में 11.48 करोड़ का बिल आया है। सेंट्रल जोन में 9.14 करोड़ और वराछा जोन में 7.95 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

सिविल अस्पताल में 50वां अंगदान, 28 वर्षीय ब्रेनडेड आदिवासी युवक के 2 किडनी, लीवर और दो फेफड़े का अंगदान

तापी जिले के सोनगढ़ के गमीत परिवार के एक बेटे के पांच अंगों के दान से चार लोगों को नई जिंदगी मिलेगी

धन तेरस से धन तेरस तक, सूरत सिविल अस्पताल में 50 अंग दान के साथ राज्य में शीर्ष पर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दानदाताओं की भूमि कहा जाने वाला सूरत शहर अब अंग दाताओं के शहर के रूप में जाना जाने लगा है। सूरत के न्यू सिविल अस्पताल में पिछली दिवाली से इस साल की दिवाली तक एक साल की अवधि के दौरान अंगदान की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। इसी कड़ी में एक और अंगदान किया गया, आज 50वां अंगदान था। गामीत परिवार में से एक 28 वर्षीय ब्रेनडेड बेटे कमलभाई गामीत की दो किडनी, लीवर और दो फेफड़ों के दान के माध्यम से चार लोगों को नया जीवन मिलेगा।

प्राप्त विवरण के अनुसार, तापी जिले के सोनगढ़ तालुका के टिचकिया गांव के बंडारा पलिया में रहने वाले 28 वर्षीय आदिवासी युवक कमलभाई गामीत 08 नवंबर को शाम 07:30 बजे बाइक से घर लौट रहे थे, तभी बीच सड़क पर दुर्घटना हो गई। व्यारा के चिखल्दा गांव में एक रिक्शा और एक बाइक हादसे में कमलभाई की बाइक भी टकरा गई और उनके सिर पर गंभीर चोट लग गई। बेहोशी की हालत में तुरंत 108 एम्बुलेंस के माध्यम से व्यारा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें आगे के इलाज के लिए सूरत सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां 10 दिन के इलाज के बाद 20 नवंबर की सुबह आर.एम.ओ. डॉ. केतन नायक, डॉ. नीलेश काचड़िया, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जय पटेल और न्यूरो सर्जन डॉ. हरिन मोदी ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

ब्रेन डेड कमल के पिता अरविंदभाई गामीत सहित परिवार के सदस्यों को डॉ. केतन नायक, डॉ. नीलेश काचड़िया, नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला और निर्मला कथुडे ने अंगदान का महत्व समझाया। ऐसे में परिवार के लोगों ने ब्रेनडेड बेटे कमल के अंगदान के लिए सहमति देते हुए उसके अंगों को स्वीकार कर लिया। आज 2 किडनी, लीवर और फेफड़ों के दान से नए साल में चार लोगों की जिंदगी नई जिंदगी से भर जाएगी।

इस प्रकार गामीत परिवार ने अपने ब्रेनडेड बेटे के अंगदान से चार लोगों को नई जिंदगी देकर मानवता की एक बड़ी मिसाल पेश की है। कमलभाई निर्माणस्थल पर (सेंटरींग) का काम करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। उसका डेढ़ साल का बेटा पार्थ है।

इस प्रकार, न्यू सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. गणेश गोवेकर के मार्गदर्शन में, सूरत पुलिस, एसओटीओ टीम, चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग और सुरक्षा कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने अंग दान के इस सेवा कार्य में कड़ी मेहनत की। इस प्रकार आज सूरत सिविल में 50वां सफल अंगदान हुआ।

सार्वजनिक स्थान पर थूकने वाले 155 लोगों का हुआ ई-चालान,40 लोगों ने भरा जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के सार्वजनिक स्थानों पर लाखों रुपयों के खर्चे से हर तरह का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। लेकिन पान-मावा थूकने वालों के कारण सौंदर्यीकरण पर असर पड़ रहा है। दिवाली से पहले नगर निगम की ओर से चलाए गए अभियान में कुल 155 लोगों के ई-चालान काटे गए। हालांकि, केवल 40 लोगों ने ही ई-चालान भरा है। अब 5 दिन के अंदर ई-चालान नहीं भरने पर 100 का जुर्माना बढ़ाकर 250 कर दिया जाएगा और कोर्ट में कार्रवाई भी की जाएगी।

नगर पालिका ने चलाया अभियान, बकाएदारों को अब 100 की जगह 250 रुपए चुकाने होंगे

3250 कैमरों की निगरानी में टीम घर आकर जुर्माना वसूलेगी

सूरत नगर निगम ने दिवाली के बाद से सार्वजनिक स्थानों पर थूकने वालों का पता लगाने के लिए कदम बढ़ा दिए हैं और आई-ट्रिपल-सी से नगरनिगम के 2500 और शहर पुलिस के 750 कैमरों के साथ कुल 3250 सीसी कैमरों की निगरानी की जा रही है। आने वाले दिनों में टीम बढ़ाई जाएगी। इसका समन्वय आरटीओ से हो जाने के कारण वाहनों की रजिस्ट्रेशन संख्या के आधार पर उस जोन की टीम ने थूकने वालों के पते पर उनके घर पहुंचकर जुर्माना वसूलना शुरूकर दिया है।

प्रवर्तन अभियान के लिए सभी वार्डों में 55 टीमें तैनात की जाएंगी

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि से भी टीम बढ़ाई जाएगी और निर्धारित किए जाएंगे और उसके इसके साथ ही प्रवर्तन अभियान के की जाएंगी। फिलहाल जोन स्तर लेकिन 30 वार्डों में टीम दोगुनी अगले दिन नगर पालिका की ओर अधिक से अधिक समाचार बिंदु अनुसार कार्रवाई तेज की जाएगी। लिए सभी वार्डों में 55 टीमें तैनात की प्रवर्तन टीम काम कर रही है कर दी जाएगी।

सार्वजनिक स्थानों के विभिन्न सौंदर्यीकरण पर लाल पिचकारी मारनेवालों पर सीसीटीवी से नजर

अपार्टमेंट में खड़ी 19 गाड़ियों में सिगरेट से लगी आग, 3 आरोपी पेट्रोल चुराने आए थे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना में एक अपार्टमेंट के नीचे खड़ी 19 गाड़ियों में आग लगने का मामला सामने आया है। उधना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वारदात को सुलझा लिया है। पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों उधना क्षेत्र की अक्षरकुंज एपार्टमेन्ट में रात्रि के समय आरोपियों द्वारा पार्किंग में वाहनों से पेट्रोल चोरी किया जाता था। पेट्रोल चुराते समय उसके पास मौजूद जलती सिगरेट में आग लग गई। संयोगवश, सिगरेट की चिंगारी अन्य वाहनों तक फैल गई। एक-एक कर 19 गाड़ियां आग की चपेट में आ गईं।

उधना पुलिस द्वारा गिरफ्तार पेट्रोल चोर को गिरफ्तार कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने वारदात को सुलझाया

शुरुआत में यह माना गया कि आग पटाखों के कारण लगी। लेकिन पुलिस को शक हुआ और उसने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। अक्षरकुंज अपार्टमेंट के नीचे खड़ी गाड़ियों में आग लगने के मामले में पुलिस ने आरोपी आयुष कुसवाहा और उर्वेश समेत एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।